Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 163 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 17 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

संसद सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक; तृणमूल कांग्रेस नहीं होगी शामिल

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह बताई गई कि टीएमसी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होने वाला है।

नई औद्योगिक नीति 2024-29 के संबंध में भारतीय उद्योग परिसंघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा

उद्योगों की स्थापना के लिए राज्य सरकार देगी हर संभव सहयोग : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा: वैल्यू एडिशन का कार्य छत्तीसगढ़ में हो

नई उद्योगों की हो स्थापना, युवाओं को मिले रोजगार

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए हर संभव सहयोग करेगी। नए उद्योगों की स्थापना हो, छत्तीसगढ़ में वैल्यू एडिशन का काम हो और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले, ऐसी सरकार की मंशा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उक्त बातें आज यहां अपने निवास कार्यालय में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा नई औद्योगिक नीति 2024-29 के लिए दिए गए सुझावों पर चर्चा के दौरान कही।

इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, सीआईआई के छत्तीसगढ़ स्टेट काउंसिल के चेयरमैन आशीष सराफ वाइस चेयरमैन संजय जैन, सर्व नरेंद्र गोयल, आनंद सिंघानिया, रमेश अग्रवाल, पंकज सारडा सहित सीआईआई छत्तीसगढ़ स्टेट काउंसिल के सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर भारतीय उद्योग परिसंघ के सदस्यों ने सिंगल विंडो सिस्टम और मुख्यमंत्री द्वारा रोजगार सृजन के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयासों की सराहना की।

प्रदेश में लघु वनोपजों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों और बहुमूल्य खनिजों के विपुल भंडार मौजूद हैं। प्रदेश में लघु वनोपजों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि चाहे खनिज हो या लघु वनोपज, इनका वैल्यू एडिशन छत्तीसगढ़ में ही हो, ताकि प्रदेश को इसका लाभ मिले। श्री साय ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में सैकड़ो एमओयू हुए हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। राज्य सरकार की मंशा है कि यहां नए-नए उद्योग स्थापित हों, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सीआईआई द्वारा नई औद्योगिक नीति के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं, प्रदेश के उद्योग मंत्री और नीति तैयार करने वाली समिति को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी सुझावों का अध्ययन कर, अच्छे सुझावों को नई औद्योगिक नीति में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना की है और अगले 5 वर्षों में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इन्हीं लक्ष्यों को पूरा करने हम विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नई औद्योगिक नीति और विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्यूमेंट भी जारी किया जाएगा।

भारतीय उद्योग परिसंघ के सदस्यों प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ में सिंगल विंडो सिस्टम की प्रशंसा की।

एनसीएलटी ने बीसीसीआई की याचिका मंजूर की

बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू होगी

कंपनी ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप के 158 करोड़ नहीं चुकाए

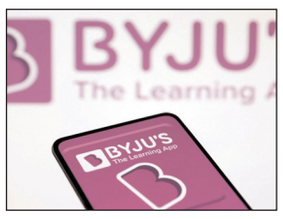

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने एडटेक कंपनी बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू करने के लिए बीसीसीआई की याचिका स्वीकार कर ली है। ये मामला भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बायजूस और बीसीसीआई के बीच स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा है। बीसीसीआई ने 158 करोड़ रुपए की बकाया राशि वसूलने के लिए बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पिछले साल याचिका दायर की थी। मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को होनी है। हालांकि खबर मिली है कि बायजूस मामला सुलझाने के लिए बीसीसीआई से बात कर रहा है। पिछले साल जनवरी में बायजूस ने बीसीसीआई को 143 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी भुनाने की अनुमति दी थी। वर्तमान में बायजूस पर बकाया राशि 158.9 करोड़ रुपए है। बीसीसीआई की ओर से 8 सितंबर 2023 को दायर किया गया मामला 28 नवंबर को सुनवाई के लिए आया था।

एनसीएलटी की बेंगलुरु बेंच ने याचिका मंजूर करते हुए कहा कि बीसीसीआई और बायजूस के बीच ई-मेल ट्रेल से यह साफ है कि थिंक एंड लर्न ने डिफॉल्ट किया है। बेंच ने पंकज श्रीवास्तव को इंटरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल नियुक्त किया है। उन्हें नियुक्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर क्रेडिटर्स की एक कमेटी बनानी होगी। आदेश में दी गई जानकारी के अनुसार, थिंक एंड लर्न ने इंडियन क्रिकेट टीम के कई इंटरनेशनल टूर और सीरीज के बाद बीसीसीआई की ओर से भेजे किए गए कुल 12 इनवॉइस (बिल) पर डिफॉल्ट किया।

बरमकेला रोड में पिकअप पलटा : एक की मौत, 6 रायगढ़ रिफर

कलेक्टर ने घायलों से मिलकर बेहतर इलाज के लिए सीएमएचओ को निर्देश दिए

मृतक के परिवार को दी गई 25 हजार की सहायता राशि

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ जिला मुख्यालय से बरमकेला के मध्य जंगल के सड़क मार्ग पर मोड़ के पास एक पिकअप वाहन सीजी 13 यूडी 6326 अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें 21 व्यक्ति सवार थे। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। 6 व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला से रायगढ़ रिफर किया गया है। बाकी 14 लोगो का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला में चल रहा है। कलेक्टर धर्मेश साहू ने घायलों से मिलकर बेहतर इलाज के लिए सीएमएचओ डॉ अवधेश पाणीग्राही को निर्देश दिए। एसपी पुष्कर शर्मा ने घायलों से मिलकर उनके इलाज आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम सारंगढ़ अनिकेत साहू ने मृतक के परिवार को सड़क दुर्घटना में तात्कालिक सहायता राशि 25 हजार रुपए दी है। गाड़ी में सवार सभी व्यक्ति सारंगढ़ के आसपास के निवासी हैं, जो बरमकेला के किसी निर्माण स्थल में मजदूरी का काम करते थे। इस दौरान बरमकेला बीएमओ डॉ संजय पटेल, बरमकेला थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि थाना प्रभारी बरमकेला को जैसे सूचना मिला, आनन फानन में पुलिस टीम तत्काल दुर्घटना स्थल पहुंचकर सभी घायलों को राहत बचाव कार्य में जुटकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला लाया गया।

मृतक और रिफ र किए गए घायलों के नाम

पिकअप वाहन पलटने से सारंगढ़ तहसील के ग्राम बड़े खर्री निवासी छबिलाल जोल्हे पिता हीरालाल जोल्हे उम्र 45 वर्ष की मृत्यु हो गई है। गंभीर रूप से घायल रया सिदार पिता छेदीलाल उम्र 20 वर्ष, ओमप्रकाश साहू पिता रामेश्वर साहू उम्र 30 वर्ष, गीता मैत्री पिता किसम मैत्री, उम्र 35 वर्ष, सीमा मुंडा पिता गणेश उम्र 20 वर्ष, राम गुलाल पिता आनंदराम उम्र 30 वर्ष, राम सिंह साहू पिता गोपी उम्र 50 वर्ष को रायगढ़ मेडिकल कालेज रिफर किया गया है।

केंद्रीय बजट 2024 से पहले वित्त मंत्री की मौजूदगी में हलवा समारोह का आयोजन

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय बजट 2024 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में मंगलवार को वित्त मंत्रालय यानी नॉर्थ ब्लॉक में हलवा सेरेमनी का आयोजन किया गया। हलवा समारोह का आयोजन केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में नॉर्थ ब्लॉक में किया गया। बजट तैयार करने की लॉक-इन प्रक्रिया शुरू होने से पहले हर साल एक परंपरा के तहत हलवा समारोह या हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। वित्त मंत्री की ओर से बजट से ठीक पहले एक हलवा समारोह का आयोजन किया जाता है। यह हलवा समारोह इस बात का परिचायक होता है कि बजट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसके छपने का काम शुरू हो चुका है। इस समारोह में बड़ी संख्या में बजट तैयार करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। दरअसल, वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के जितने भी अधिकारी बजट बनाने के कार्य में जुटे होते हैं, उन्हें संसद में बजट पेश होने तक अपने परिवारों से संपर्क नहीं करने दिया जाता। ऐसे में सरकार उनकी मेहनत को लेकर आभार प्रकट के लिए हलवा समारोह का आयोजन करती है।हलवा सेरेमनी एक परंपरागत कार्यक्रम है जिसे बजट की छपाई से पहले मनाया जाता रहा है। कहा जाता है लंबे समय तक चलने वाली बजट बनाने की प्रक्रिया की समाप्ति के बाद मीठा खाकर बजट की छपाई को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई जाती है। वित्त मंत्री कड़ाही को हिलाती हैं और अधिकारियों को हलवा परोसकर बजट के लिए हरी झंडी दिखाई जाती है।

कैमलिन स्याही व ज्योमैट्री बॉक्स देने वाले सुभाष दांडेकर नहीं रहे

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टेशनरी ब्रांड कोकुयो कैमलिन के चेयरमैन सुभाष दांडेकर का सोमवार को 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सेंट्रल मुंबई में किया गया। दांडेकर ने कैमलिन को गुणवत्तापूर्ण स्टेशनरी और शैक्षिक उत्पादों के पर्याय के रूप में एक घरेलू नाम के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका निधन एक प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए एक युग के अंत का प्रतीक है। कैमलिन ब्रांड की स्थापना करने वाले परिवार में जन्मे, सुभाष दांडेकर ने ना केवल एक व्यवसाय बल्कि एक विरासत का नेतृत्व किया। कैमलिन की स्थापना मूल रूप से 1931 में दिगंबर परशुराम दांडेकर ने की थी। सुभाष दांडेकर के दूरदर्शी नेतृत्व में कंपनी ने अपने क्षितिज का विस्तार किया। 1960 में, उन्होंने कला सामग्री में कंपनी के विविधीकरण का नेतृत्व किया। कंपनी ने इस दौरान ऑफिस स्टेशनरी और पेशेवर कलाकारों से जुड़े उपकरणों को शामिल कर अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार किया। उनके इस कदम से केमलिन घर-घर में एक जाना-माना नाम बन गया। कैमलिन में दांडेकर का कार्यकाल कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर का गवाह बना। जिसमें 2011 में जापानी कंपनी कोकुयो द्वारा बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण शामिल था। इस रणनीतिक साझेदारी ने न केवल कोकुयो उत्पादों को भारतीय बाजार में पेश किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कैमलिन के विस्तार की सुविधा भी प्रदान की।

नीट पेपर लीक केस में 2 और गिरफ्तार

पटना से पकड़े गए पंकज पर पेपर चुराने का आरोप; सीबीआई ने अब तक 12 गिरफ्तारियां कीं

रांची/हजारीबाग (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने मंगलवार (16 जुलाई) को दो और लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोगों के नाम पंकज और राजू हैं। पंकज को पटना और राजकुमार सिंह उर्फ राजू को झारखंड के हजारीबाग से पकड़ा गया है। पंकज पर नीट का पेपर चोरी करने का आरोप है। वहीं, राजू ने इसे आगे बढ़ाया।

पंकज कुमार उर्फ आदित्य के बारे में जानकारी मिली है कि उसने 2017 में एनआईटी जमशेदपुर से सिविल इंजीनियरिंग की है। पंकज कुमार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के ट्रंक से पेपर चुराया था। इसके बाद पेपर को आगे बांटने के लिए दिया गया था। पंकज कुमार बोकारो का रहने वाला है। नीट-जी पेपर लीक केस में सीबीआई अब तक 12 गिरफ्तारियां कर चुकी है।

सीबीआई टीम 2 दिनों से हजारीबाग आना-जाना कर रही थी। टीम ने 15 जुलाई को हजारीबाग के रामनगर स्थित राज गेस्ट हाउस पर छापा मारा। इससे पहले राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह उर्फ राजू के कदमा स्थित घर में रेड की थी।

टीम राजू को हिरासत में लेकर राज गेस्ट हाउस पहुंची। टीम ने उससे गेस्ट हाउस खोलने के लिए चाबी की मांग की। जब चाबी नहीं मिली तो टीम ने ताला तोड़ दिया। टीम ने गेस्ट हाउस को घंटों खंगाला। यहां से कई संदिग्ध दस्तावेज टीम के हाथ लगे हैं।

सोमवार देर शाम 7 बजे सीबीआई की टीम राजकुमार उर्फ राजू को अपने साथ पटना ले गई। सीबीआई की 5 सदस्यीय टीम एक इनोवा और एक अर्टिगा कार से पहुंची थी। टीम के साथ 2 संदिग्ध भी थे। इनको आमने-सामने बैठाकर राज गेस्ट हाउस में ही राजकुमार राजू के साथ पूछताछ भी हुई।

गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर रेड

सूत्रों के मुताबिक, हजारीबाग से गिरफ्तार हुए ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और जमालुद्दीन से राजू के तार जुड़े हुए हैं। पिछले दो दिनों से हजारीबाग में सीबीआई की टीम बेहद गोपनीय ढंग से इस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह भी कहा जा रहा है कि कुछ छात्र या अभिभावक का गेस्ट हाउस में आकर रहने की सूचना ष्टक्चढ्ढ को हाथ लगी है। इस आधार पर राजू से पूछताछ चल रही है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने नीट मामले में सीबीआई के हलफनामे को स्वीकार कर लिया है। दरअसल, नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एग्जाम से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स से 10 जुलाई शाम 5 बजे तक रिपोर्ट मांगी थी।

पेपर लीक, एग्जाम कैंसिल करने की याचिका पर अगली सुनवाई 18 जुलाई को

इससे पहले 20 जून को एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता, बॉम्बे और जोधपुर हाईकोर्ट में एजेंसी के खिलाफदायर हुई याचिकाओं की सुनवाई पर रोक लगाई थी। ये याचिकाएं एग्जाम में ग्रेस मार्क्स के खिलाफदायर की गई थीं।
इसके बाद एनटीए ने बची हुई याचिकाओं को ट्रांसफर किए जाने की अपील की। ये याचिकाएं एग्जाम कैंसिल किए जाने से जुड़ी हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में नीट पेपर लीक और एग्जाम कैंसिल किए जाने की याचिकाओं पर अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई ने 11 जुलाई को कोर्ट में हलफनामा जमा किया था। रजिस्ट्री ने कहा था कि तय समय से देरी के बाद हलफनामा जमा करने को लेकर कोर्ट से चर्चा करें।

हालांकि, बेंच के जस्टिस जे बी पारदीवाला ने कहा कि उन्होंने सीबीआई की रिपोर्ट जमा किए जाने की जानकारी है।

नीट विवाद पर स्टेकहोल्डर्स ने 10 जुलाई की देर शाम को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था।

आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर बड़ी कार्रवाई; अकादमी ने ट्रेनिंग रद्द कर वापस बुलाया

मुंबई(एजेंसी)। विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उनकी ट्रेनिंग को रद्द करते हुए वापस अकादमी आने के निर्देश दे दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सरकार ने पूजा खेडकर की आईएएस परिवीक्षा को स्थगित कर दिया है। उन्हें लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में रिपोर्ट करने को कहा गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (पी) नितिन गद्रे के पत्र के मुताबिक, एलबीएसएनएए, मसूरी ने आपके जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित रखने और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए आपको तुरंत वापस बुलाने का फैसला किया है।

पूजा खेडकर 2023 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर वर्ग से बताकर यूपीएससी में चयन हासिल किया। साथ ही उन पर आरोप है कि उन्होंने मानसिक रूप से दिव्यांग होने का दावा किया, लेकिन कई बार बुलाने के बावजूद मेडिकल जांच में शामिल नहीं हुईं। बीते दिनों वीआईपी ट्रीटमेंट की मांग को लेकर वह विवादों में घिरीं थी। जिसके बाद उनका पुणे से वाशिम तबादला कर दिया गया था।

पूजा पर लगे आरोप

पूजा खेडकर पर आरोप है कि ट्रेनिंग पीरियड के दौरान उन्होंने सरकारी आवास, स्टाफ गाड़ी और दफ्तर में अलग केबिन की मांग की। अपनी निजी ऑडी कार पर लाल-नीली बत्ती और महाराष्ट्र सरकार का लोगो लगाया।

उन्होंने चोरी के आरोप में गिरफ्तार एक ट्रांसपोर्टर को छोड़ने के लिए डीसीपी रैंक के अधिकारी पर दबाव बनाया।

उन्होंने आईएएस बनने के लिए झूठे दस्तावेज का इस्तेमाल करते हुए यूपीएससी के फार्म में खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर बताया।

पूजा समृद्ध परिवार से हैं। वह खुद लगभग 17 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। पूजा ने विकलांगता श्रेणी के तहत यूपीएससी का आवेदन पत्र भरा था। दावा किया गया कि वह 40 फीसदी दृष्टिबाधित हैं और किसी मानसिक बीमारी से जूझ रही हैं। हालांकि मेडिकल के दौरान वह हर बार नहीं पहुंची। एमबीबीएस कॉलेज में दाखिले के समय भी दस्तावेजों की हेर-फेर के आरोप पूजा पर हैं।

पंजाब नेशनल बैंक में लूट, सिक्योरिटी गार्ड ने हवाई फायर करते हुए मचाई दहशत, 6.64 लाख लेकर फरार

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में सिक्का स्कूल के सामने स्थित पंजाब नेशनल बैंक (क्क्रक्क) में मंगलवार शाम 4:30 बजे एक संदिग्ध सिक्योरिटी गार्ड ने 6.64 लाख रुपये लूट लिए। घटना के दौरान गार्ड ने हवाइ फायर कर बैंक में हवाई फ़ायर भी किया और रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस संदिग्ध की तलाश के लिए शहर भर में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

आत्मानंद स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों का अंतर विद्यालयीन स्थानांतरण नहीं होगा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वामी आत्मानंद स्कूल के लिए पृथक-पृथक समितियां गठित हैं। इसलिए स्वामी आत्मानंद के एक स्कूल से दूसरे स्कूल में स्थानांतरण उचित नहीं है, बावजूद इसके शहर में संचालित सर्वेश्वरदास स्वामी आत्मानंद स्कूल में दो शिक्षकों को दूसरे स्वामी आत्मानंद स्कूल से लाया गया है, जिसको लेकर छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने आपत्ति दर्ज कराई है। श्री पॉल का कहना है कि डीपीआई द्वारा जारी आदेशानुसार स्वामी आत्मानंद स्कूलों में संविदा या प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शिक्षकों का किसी भी स्थिति में अंतर विद्यालयीन स्थानांतरण नहीं किया जा सकता है, फिर भी जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल के द्वारा एक स्वामी आत्मानंद स्कूल से दूसरे आत्मानंद स्कूल में शिक्षक को भेजा जा रहा है, इसकी जांच कर कार्यवाही करने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर मांग किया गया है।

गंभीर लापरवाही एवं अनियमितता बरतने पर तहसीलदार निलंबित

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने बालोद जिले के मर्री बंगला (देवरी) के तहसीलदार नीलकंठ जनबंधु को कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही एवं अनियमितता बरतने पर निलंबित किया है। नीलकंठ जनबंधु तहसीलदार के द्वारा प्रथम बरती गई लापरवाही एवं अनियमितता छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के प्रतिकूल है। तद्नुसार छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) (क) के अंतर्गत नीलकंठ जनबंधु, तहसीलदार मार्री बंगला (देवरी) जिला बालोद को कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही एवं अनियमितता बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, खैरागढ़ छुईखदान-गण्डई निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। ज्ञात हो कि उप मुख्यमंत्री एवं बालोद जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के विगत दिवस के बालोद जिला प्रवास के दौरान ग्रामीण जनता के द्वारा नीलकंठ जनबंधू तहसीलदार के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उक्त तहसीलदार को निलंबित करने आदेशित किया था।

बिना अनुज्ञप्ति एवं गुमास्ता के संचालित दूकानों पर होगी कार्रवाई,नगर निगम कटेगी चालान,होगी सामान की जब्ती

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत गुमाश्ता और लाइसेंस को लेकर निगम सख्ती बरतेगी. नगर निगम के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश के बाद स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली द्वारा गुमास्ता, लाइसेंस को लेकर सख्ती से पालन कराने के लिए कमर कस ली है।स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने कहा बिना गुमास्ता एवं अनुज्ञप्ति के संचालित दूकानों पर तगड़ी कार्रवाई होगी.नियम को अनदेखी करने वाले दुकानदारो पर जुर्माना की कार्रवाही की जावेगी।यदि उसके बाद भी दुकानदार गुमास्ता कानून का पालन नहीं करता है तो दुकानदार पर जुर्माना के साथ साथ सामान जब्ती की कार्रवाही की जावेगी. उन्होंने बताया कि बिना लाइसेंस चल रहे किराना दुकान सहित ब्यूटी पार्लर,पान ठेला,डेली नीड्स आदि व्यवसाय करने वाले गुमास्ता लायसेंस नगर निगम कार्यालय में पहुँचकर जल्द बनवा लेवे.बिना गुमाश्ता लाइसेंस के संचालित की जा रही दुकानों को नगर निगम जुर्माना एवं सामान जप्ती के साथ दुकानें सील करने की सख्त कार्रवाही की जाएगी। अधिकारी जावेद अली ने बताया कि बिना गुमाश्ता, लाइसेंस के संचालित की जा रही दुकानो को नगर निगम द्वारा कार्रवाही करने की तैयारी शुरू करने वाली है।नगर निगम द्वारा इसके लिए दुकान संचालक को नोटिस जारी करेगी।नोटिस के बाद भी दुकान संचालक द्वारा गुमाश्ता लाइसेंस बनाने में कोई रूचि नहीं ली गई तो सावधान हो जाइए जल्द निगम आपके दुकान में जांच कार्रवाही करने पहुचेगी।

''सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र'' विषय पर एक दिवसीय सेमीनार आयोजित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में दिनाँक-14 जुलाई 2024 को ''सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र'' विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। यह सेमीनार स्कूल के संचालक आलोक अग्रवाल व प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह (वेन्यू डायरेक्टर) के सानिध्य में हुआ। इस कार्यक्रम में सी.बी.एस.ई प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती कल्पना सिंह (प्राचार्या दिल्ली पब्लिक स्कूल, घुटिया, चाम्पा) और श्रीमती विनीता मैरल (प्राचार्या कृष्णा पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल, नया रायपुर) के द्वारा जाँजगीर जिले के शिक्षक-शिक्षिकाओं को ''सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र'' विषय प्रशिक्षण दिया गया। सर्वप्रथम प्रशिक्षण देने आये विशेषज्ञों का स्वागत तिलक लगाकर एवं संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट देकर किया गया। तत्पश्चात् माँ सरस्वती के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। श्रीमती विनीता मैरल द्वारा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए, ''सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र'' के नियमों एवं सिद्धांतो को बताया गया। उन्होनें शिक्षा के पद्धतियों एवं सीखने के परिणाम के संबंध में सारगर्भित जानकारी

प्रदान की। आगे प्रशिक्षण के दौरान कक्षा में सीखाने के समय आने वाली कठिनाईयों एवं उसके हल को बताया। शिक्षण का उद्देश्य परिणाम में निहित होता है। यदि हम कक्षा में बच्चें को किसी विषय के बारे में सीखा रहें है, यदि वह बच्चा विषय को अच्छे से समझ जाता है तो शिक्षण का परिणाम परिलक्षित होता है। तत्पश्चात् श्रीमती कल्पना सिंह ने आगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र की उपयोगिता को समझाया। इन गतिविधियों को आये हुए प्रशिक्षुक शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा पूर्ण कराया गया। इस कार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया। सत्र-1 सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र विषय पर परिचय और गतिविधि (शिक्षकों से बातचीत), सत्र-2 ब्लूम्स टेक्सोनॉमी के आधार पर सीखने के परिणामों को तैयार करना, सत्र-3 शैक्षणिक दृष्टिकोण में इच्छित सीखने के परिणाम, सत्र-4 सीखने के परिणामों का मूल्यांकन करना इत्यादि चरणों में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में लोटस पब्लिक स्कूल, जांजगीर, दिल्ली पब्लिक स्कूल, चाम्पा, अघोर विद्या पीठ, पोडी दल्हा, गुरूकुल इंटरनेशनल स्कूल, जांजगीर, जयभारत इंग्लिश मडियम स्कूल, जांजगीर तथा ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के शिक्षक-शिक्षिकाएँ लाभांन्वित हुए। श्रीमती विनीता मैरल एवं श्रीमती कल्पना सिंह द्वारा सीखने के परिणाम एवं शिक्षाशास्त्र विषय पर दी गई जानकारी का लाभ उठाते हुए अपने शिक्षण कार्य में उन्हे अमल करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में संचालक श्री आलोक अग्रवाल व प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के द्वारा आए हुए विशेषज्ञों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान धन्यवाद ज्ञापन के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीना महंत द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एडमिन स्टॉफ एवं ग्राउंड लेवल स्टॉफका विशेष योगदान रहा।

जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 98 आवेदन, 20 का स्थल पर ही निराकरण

सड़क, नाली, बिजली,पीएम आवास, पीएम स्वनिधि,नए -पुराने राशन कार्ड के आवेदन मिले

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेशानुसार व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम द्वारा शहर सीमा क्षेत्र अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविर में आमजनों की समस्या-शिकायतों का समाधान के लिए 16 जुलाई को वार्ड क्रमांक 23 से 32 तक 10 वार्डो के लिए एक साथ शिविर का आयोजन किया गया. इस समय शिविर में आम नागरिकों के पहुचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिको ने शिविर के स्टॉल में पहुँचकर अपनी समस्याओं को दर्ज कराया।उक्त शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए।शिविर में पार्षद नरेश तेजवानी, पूर्व महापौर आर एन वर्मा,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,शिविर प्रभारी व उपअभियन्ता पंकज साहू,संजय मिश्रा,निशांत यादव,अभ्युदय मिश्रा के साथ शिविर में मौजूद रहें ।शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ ।शिविर में नए राशन कार्ड बनवाने व नाम जोड़ने,राजस्व वसुली,पीएम आवास,सफाई से सम्बंधित आवेदन, अतिक्रमण से सम्बंधित शिकायत, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम स्वनिधि, निराश्रित पेंशन,विद्युत तथा पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण, श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड,आजीविका मिशन व बिजली आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।शिविर में अधिकारी/कर्मचारी द्वारा गंभीरता के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया।शिविर में विभिन्न विभागों को 98 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 20 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। अन्य 78 आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका निराकरण जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

1 से 3 अगस्त तक अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में विशाल आपरेशन शिविर

बसना (समय दर्शन)। क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने अग्रवार नर्सिंग होम बसना मे आगामी 1 से 3 अगस्त 2024 तक विशाल आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया जा रहा है।

इस विशाल ऑपरेशन शिविर मे विभिन्न प्रकार के हर्निया, गॉलब्लेडर पथरी,लीवर, अपेंडिक्स,महिला रोग संबंधित जैसे गर्भाशय,अंडाशय में गठन,सिस्ट,फाइब्रॉयड, स्तन की गठान ,पोलिप, किडनी स्टोन, हाइड्रोसील, परफोरेशन,पाइल्स, फिश्चर ,दूरबीन द्वारा पेट की जांच, कैंसर संबंधित ऑपरेशन का दूरबीन, लेजर या ओपन पद्धति से भारत के प्रसिद्ध सर्जन की टीम द्वारा किया जायेगा ।

अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉक्टर एन के अग्रवाल ने बताया कि, 1 से 3 अगस्त तक हमने विशाल आपरेशन शिविर रखा है, जिसमें भारत के प्रख्यात डॉक्टरों की टीम डॉ. संदीप दवे - दूरबीन पद्धति के प्रख्यात शल्य चिकित्सक (रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर),डॉ. सिद्धार्थ तामस्कर - जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन (रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर), (अग्रवाल नर्सिंग होम बसना) से डॉक्टर भारती अग्रवाल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कार्तिक राजा लेप्रोस्कोपिक सर्जन शिविर का संचालन करेंगे ।

राशन कार्ड,आयुष्मान कार्ड एवम बीजू कार्ड के अंतर्गत उपलब्ध आपरेशन निःशुल्क किया जायेगा एवं जो ऑपरेशन इस निशुल्क योजना के अंतर्गत नही वे ऑपरेशन न्यूनतम दर में किया जाएगा। साथ ही साथ रहना, खाना, दवाइयां सभी पॅकेज में सम्मलित है । ऑपरेशन के इच्छुक मरीज दिनांक 28/07/24को अपनी रिपोर्ट के साथ अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में डॉक्टर अमित अग्रवाल से मिल कर पंजीयन कराये।

संचालक डॉक्टर एनके अग्रवाल ने बताया इस शिविर में आर्थिक रूप से असहाय ऐसे प्रथम तीन मरीजों का नर्सिंग होम द्वारा जांच एवम परीक्षण पश्चात निशुल्क इलाज एवम ऑपरेशन भी किया जाएगा। जिसके लिए अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है। ज्ञात रहे डॉक्टर संदीप दबे एवं टीम जिन्हे भारत के लेप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जरी में विशेष ख्याति प्राप्त है, जो की 50000 से लेप्रोस्कोपिक एवम 250 से अधिक रोबोटिक सर्जरी कर अपना कीर्तिमान रचा है।

किसानों को समिति से खाद-बीज उठाने में किसी प्रकार की न हो परेशानी: कलेक्टर

खाद-बीज वितरण की विस्तार से समीक्षा, खरीफ फसल की 80 प्रतिशत बुआई पूर्ण

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने जिले में अधिकारियों की बैठक लेकर खाद-बीज उपलब्धता और खेती-किसानी की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुरूप खाद बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हर दिन सोसायटी खुला रखने कहा। कृषि विभाग के मैदानी अमले को निरंतर अपने क्षेत्र का दौरा कर किसानों से संपर्क रखते हुए खाद-बीज के भण्डार और उठाव पर निगरानी रखने कहा। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को समिति से खाद बीज उठाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने खाद-बीज की कालाबाजारी एवं अवैध भण्डारण की शिकायत पर लगातार छापामार कार्रवाई के निर्देश दिए। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में खरीफफसल की बुआई 80 प्रतिशत हो चुकी है।

बैठक में बताया गया कि जिले में 114 सहकारी समितियां हैं। लगभग 18 हजार 786 क्विंटल बीज का भण्डारण हो चुका है और किसानों को 18 हजार 283 क्विंटल बीज का वितरण किया जा चुका है। धान, कोदो, कुटकी, रागी, अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिलहन सहित अन्य फसलों की जानकारी दी गई। जिले में खरीफ वर्ष 2024 के तहत 30 हजार 888 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है इनमें से 28 हजार 381 मीट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। बैठक में बताया गया कि सोसायटी हर रोज खुल रहीं है। कलेक्टर ने फसल बीमा योजना की समीक्षा की। उन्होंने गांवो में आरईओ के जरिए फसल बीमा योजना की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों का ईकेवाइसी, आधार और लैंड सीडिंग का काम जल्द कराने कहा। बैठक में उप संचालक कृषि श्री पी.डी. हथेश्वर, खाद्य नियंत्रक श्री अनुराग भदौरिया, डीएमओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कन्या भोज महाआरती 56 भोग के साथ मनाया गया आषाढ़ का गुप्त नवरात्र पर्व

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा में आषाढ़ महीने की गुप्त नवरात्रि के अवसर पर 6 से 15 जुलाई 2024 तक की पूरे 9 दिवस मन्दिर परिसर में विशेष आयोजन किया गया, मंदिर परिसर में 9 दिवस अखंड ज्योति कलश की स्थापना की गयी, एवं प्रतिदिन माता जी का विशेष श्रृंगार आरती की गई, नवमी के अवसर पर पूजा अर्चना के साथ कन्या पूजन एवं कन्या भोज के आयोजन किया गया।

मन्दिर के मुख्य पुजारी पंडित सुनील पांडेय ने बताया कि हिंदू धर्म में मां दुर्गा का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और नवरात्रि मां दुर्गा को समर्पित पर्व है जो भारत में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। एक साल में 4 बार नवरात्रि का पर्व आता है जिनमे 2 प्रकट नवरात्रि और 2 गुप्त नवरात्रि होती हैं. चैत्र और शारदीय नवरात्रि को सभी जानते हैं ये काफी लोकप्रिय पर्व है जब मां दुर्गा की 9 दिन धूमधाम के साथ पूजा की जाती है. माघ और आषाढ़ माह में पड़ने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है. गुप्त नवरात्रि पर मां दुर्गा की गुप्त रूप से पूजा करने की परंपरा है। सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर में प्रतिवर्ष सभी 4 नवरात्र बड़े धूम-धाम से बनाये जाते है, आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्र के अवसर पर 6 से 15 जुलाई तक मंदिर में प्रतिदिन माता जी का श्रृंगार, अभिषेक, पूजन एवं महाआरती की गयी।

दुर्गा मन्दिर के मुख्य पुजारी पंडित सुनील पांडेय ने बताया को जिस प्रकार चैत्र और शारदीय नवरात्रि होते हैं उसी तरह आषाढ़ और माघ महीने की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा में पड़ने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है 7 गुप्त नवरात्री में दस महाविद्याओं की

पूजा की जाती है7 अगर कोई इन दस महाविद्याओं की शक्ति के रूप में उपासना करे तो उसका जीवन धन - धान्य और सुख से भर जाता है 7 देवी भगवत में गुप्त नवरात्र की पूजा का विधान लिखा गया है 7 इस तरह वर्ष में कुल चार नवरात्र होते हैं 7 यह चारो नवरात्र ऋतू परिवर्तन के समय मनाये जाते हैं 7 इन विशेष अवसर पर साधक अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए देवी की साधना करते हैं 7 गुप्त नवरात्र को सफलता पूर्वक संपन्न करने से कई बाधाये समाप्त हो जाती हैं।

गुप्त नवरात्री की दस देवियों का नाम है माँ काली माँ तारा माँ त्रिपुर सुंदरी माँ भुवनेश्वरी माँ छिन्नमस्ता माँ त्रिपुरभैरवी माँ धूमावती माँ बगलामुखी माँ मातंगी माँ कमला की विशेष पूजा अर्चना होती है। समिति के सदस्य कुलेश्वर साहू पूर्व पार्षद ने बताया कि गुप्त नवरात्र अष्टमी के अवसर पर 14 जुलाई को माता जी को 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया एवं संध्या 7 बजे 51 पूजा थाल से माता जी की महाआरती की गयी एवं रात्रि 8 बजे हवन पूजन, पूर्णाहुति, आरती की गयी, अष्टमी के अवसर पर भैरव अष्टमी भी बनाई गई जिसमें मंदिर परिसर में श्री भैरव बाबा की पूजा अर्चना, एवं भोग प्रसादी की गई, 15 जुलाई नवमी के अवसर पर प्रात: 9 बजे माँ दुर्गा जी के पूजन, अभिषेक किया गया ततपश्चात 11 बजे कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया।

कन्या पूजन एवं कन्या भोज के लिए पंडित सुनील पांडेय ने बताया कि शास्त्रों में दो साल की कन्या कुमारी, तीन साल की त्रिमूर्ति, चार साल की कल्याणी, पांच साल की रोहिणी, छ: साल की कालिका, सात साल की चंडिका, आठ साल की शांभवी, नौ साल की दुर्गा और दस साल की कन्या सुभद्रा मानी जाती हैं, सभी 4 नवरात्र में सभी धर्म प्रेमियों को अपने अपने अपने घरों में कन्या पूजन एवं कन्या भोज करवाने से निश्चित रूप से माता जी का आर्शीवाद मिलता है।

15 जुलाई नवमी के अवसर पर दुर्गा मंदिर में 11 बजे 21 कन्या माताओं का पूजन किया गया जिसमें समित्ति की महिलाओं ने सभी कन्या माताओं का पैर धोकर, तिलक लगाकर भोजन हेतु मन्दिर परिसर में बैठाया गया, फिर एक साथ 21 कन्या माताओं एवं 1 भैरव 1 लंगूर बाबा रूपी बालक को भोजन कराया गया, कन्या भोज के पश्चात सभी कन्या माताओं को भेंट स्वरूप टिफिन डब्बा, चॉकलेट, बिस्किट, मिष्ठान, नगद राशि भेंट दी गयी, सभी कन्या माताओं के पैर छूकर बिदा किया गया। ज्ञात हो कि श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में प्रतिवर्ष 4 नवरात्र में कन्या भोज कराया जाता है जिसमें पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा कन्या भोज का आयोजन भी सत्तीचौरा में आयोजित किया जाता है।

आषाढ़ माह की नवरात्र पर्व के अवसर पर मंदिर में विशेष साज-सज्जा भी कराई गई थी, प्रतिदिन धर्मप्रेमियों द्वारा अपने अपने घर से अलग अलग प्रकार का प्रसाद बनाकर वितरण किया गया.. आयोजन में इंद्राणी कुलेश्वर साहू (पार्षद) योगेन्द्र शर्मा बंटी मनोज लोहानी भारती लोहानी निर्मल शर्मा मनीष सेन नरेंद्र गुप्ता राहुल शर्मा सोनल सेन, चंचल संजय शर्मा सरोज वासनिक महेश गुप्ता, सुजल शर्मा प्रशांत कश्यप लक्ष्मी यादव प्रकाश सिन्हा अन्य सदस्य एवं धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

सार समाचार

प्रदेश में मानसून हुआ पूरी तरह से एक्टिव

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में मौसम सुहाना हो चुका है। आज प्रदेश के कई जिलों में बारिश के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार, एक दो स्थानों पर वज्रपात की संभावना भी है। प्रदेश में दक्षिण और उत्तर छत्तीसगढ़ में ज्यादा बारिश हो रही है। मध्य में अभी भी बारिश का इंतजार है। वहीं विभाग ने बिलासपुर, रायपुर और बस्तर संभाग के लिए आज यलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते रविवार के प्रदेश की राजधानी और बिलासपुर में झमाझम बारिश हुई है। जिससे लोगों को गर्मी और उमस से थोड़ी राहत मिली है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आगामी 4 दिनों तक मानसून की एक्टिविटी बढ़ेगी। प्रदेश में आज भी अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पिछले 48 घंटे के दौरान कुसमी, अंबिकापुर और कुनकुरी में 90 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। साथ ही छुरा, रामानुजगंज में 70, बलोदा बाजार, बैकुंठपुर में 60, मनोरा, मरवाही, मनेंद्रगढ़, पाटन में 40 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं, शनिवार को कोरबा जिले के हसदेव बैराज का एक गेट खेतों में पानी की कमी पूरी करने के लिए खोला गया है।

गुणवत्तापूर्ण चावल पर विशेष ध्यान रखें दयालदास बघेल

रायपुर(समय दर्शन)। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के सभा कक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर खाद्य विभाग के सचिव श्री बसवराजू एस. विशेष सचिव श्री के डी कुंजाम और खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारीगण उपस्थित थे। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि विभाग का दायित्व एवं प्राथमिकता सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है और समय पर उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से राशन उपलब्ध कराना है। दूरस्थ क्षेत्रों में चना, गुड़, शक्कर, राशन आदि की आपूर्ति समय पर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य वस्तुओं के आपूर्ति, भण्डारण एवं वितरण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। खाद्य मंत्री ने चावल के गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के सख्त निर्देश दिए हैं और उचित मूल्य दुकानों आंगनबाड़ी, स्कूल, छात्रावास में गुणवत्ता युक्त चावल भण्डारण एवं वितरण करने के लिए कहा है। समीक्षा बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लक्ष्य के विरूद्ध चावल उपार्जन की स्थिति, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत चना वितरण करने के संबंध में चर्चा कह गई। शक्कर, नमक तथा केरोसिन उपभोक्ताओं को वर्षा ऋतु से पूर्व अग्रिम भण्डारण सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

किसानों को अब तक 8.61 लाख मीट्रिक टन खाद और 7.85 लाख क्विंटल बीज का वितरण

मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को सुगमता से मिल रहा है खाद-बीज

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर प्रदेश के किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण किया जा रहा है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 8.61 लाख मीट्रिक टन खाद जो लक्ष्य का 63 प्रतिशत वितरित हो चुका है। इसी प्रकार किसानों को 7.85 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 23.02 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ सीजन में 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 08 जुलाई 2024 की स्थिति में प्रदेश में अब तक 200.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1236 मिमी है। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2024 के लिए प्रदेश में 9.78 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 9.04 लाख क्विटल बीज का भंडारण कर अब तक 7.85 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 13.68 लाख मेट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 12.80 लाख मेट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरूद्ध 8.61 लाख मेट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 63 प्रतिशत है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री साय ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश के किसानों को सुगमता से उनकी मांग के अनुरूप खाद-बीज सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा है।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर की बैठक

राज्य स्तरीय समारोह प्रातः 09 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में होगा

कलेक्टोरेट परिसर में प्रातः 08 बजे होगा ध्वजारोहण

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा।कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आज स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड रायपुर में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा एवं समस्त कार्यालयों में प्रातः 07:30 बजे तथा कलेक्टोरेट में प्रातः 08 बजे ध्वजारोहण होगा। कलेक्टोरेट में जिला स्तरीय पुरस्कार का वितरण किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। जिसमें पुलिस, सशस्त्र बल और एनसीसी, छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम के दौरान यातायात पार्किंग ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। बारिश को देखते हुए समारोह स्थल पर वाटर प्रूफ पंडाल लगाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि पुलिस परेड ग्राउंड में साफ़-सफ़ाई, पेय जल तथा महिला पुरुष के लिए पृथक शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था नगर निगम रायपुर द्वारा की जाएगी। समारोह में परेड के लिए उपस्थित एन. सी. सी., एन. एस. एस., स्काउट गाईड छात्रों के लिए मिष्ठान एवं अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था खनिज विभाग द्वारा किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया जाए एवं स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला जाए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिले के ऐसे परिवार जिनके सदस्य नक्सली/ आतंकवादी हिंसा या अन्य किसी कारण से देश सेवा में शहीद हुए हों उनको कार्यक्रम में ससम्मान आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/ कर्मचारी को सम्मानित किया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह की फइनल रिहर्सल 13 अगस्त को प्रातः 08:30 बजे किया जाएगा।

बुजुर्गों के आशीर्वाद से जन सेवा करने की मिलती है शक्ति-लक्ष्मी राजवाड़े

बुजुर्गों ने जताई थी राजिम दर्शन की इच्छा, मंत्री लक्ष्मी श्रीमती राजवाड़े स्वयं लेकर गई राजीव लोचन के दर्शन कराने

रायपुर(समय दर्शन)। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने माना स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया था और वहां रहने वाले वृद्धजनों के मन की बात जानने की कोशिश की थी। इस दौरान कुछ वृद्धजनों ने राजीव लोचन के दर्शन की इच्छा जतायी थी, यह इच्छा जल्दी पूरी हुई कि बुजुर्ग बहुत खुश है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बुजुर्गो के इच्छा का मान रखते हुए उन्हें स्वयं राजीव लोचन दर्शन कराने के बारे में सोचा और रविवार को वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को घटारानी और राजीव लोचन मंदिर राजिम का दर्शन कराने स्वयं अपने साथ लेकर गई। इस दौरान श्रीमती राजवाड़े ने बुजुर्गों के साथ भजन-कीर्तन किया और साथ ही स्वाल्पाहार का भी आनंद लिया। घटारानी और भगवान राजीव लोचन के दर्शन से वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के हृदय की प्रसन्नता उनके चेहरे से झलक रही थी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि उनसे मिले आशीर्वाद ने जन सेवा करने के लिए मुझे और शक्ति मिलेगी इस अवसर पर राजिम विधायक श्री रोहित साहू, अभनपुर विधायक श्री इंद्र कुमार साहू शामिल थे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। राज्य के निराश्रितों के लिए सरकार सहारा बन रही है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

राज्य के 117 तालाबों पर अतिक्रमण : एनजीटी की सख्त कार्यवाही, निकायों को अल्टीमेटम

रायपुर(समय दर्शन)। राज्य के पांच संभागों के 117 तालाबों पर अतिक्रमण की चौंकाने वाली जानकारी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की एक सुनवाई के दौरान सामने आई है। ये अतिक्रमण प्रदेश के सभी पांच संभागों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्थित तालाबों पर पाए गए हैं। राज्य के नगरीय निकायों ने स्वयं एनजीटी को इन अतिक्रमणों के बारे में सूचित किया है और अब इन्हें हटाने के लिए समय सीमा भी तय कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सबसे अधिक अतिक्रमण रायपुर और बिलासपुर संभाग के नगरीय निकाय क्षेत्रों में हैं। रायपुर संभाग में 45 तालाबों पर और बिलासपुर में 43 तालाबों पर अतिक्रमण है। इसके अलावा, दुर्ग संभाग में 25, सरगुजा में 3 और बस्तर संभाग में 2 तालाबों पर अतिक्रमण की स्थिति है। एनजीटी के आदेश के पश्चात, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के नगर निगम आयुक्तों, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को एक पत्र भेजा है। इस पत्र में एनजीटी के आदेश का हवाला देते हुए तालाबों और जल स्रोतों को अतिक्रमण से मुक्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। निकायों से कहा गया है कि वे अपने क्षेत्र के तालाबों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें और इसकी समय सीमा निर्धारित करें। बलौदा जिला जांजगीर के सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश प्रसाद देवगन बर की याचिका पर एनजीटी की सुनवाई हो रही है। उन्होंने अपने क्षेत्र के तालाबों पर अतिक्रमण के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि बलौदा नगर में बस स्टैंड के पास खसरा नं. 2591 पर अवैध अतिक्रमण और बिना उचित सीवरेज व्यवस्था के जल निकाय में अनुपचारित सीवेज जल छोड़ा जा रहा है। एनजीटी ने इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाने का आदेश दिया है। समिति को छत्तीसगढ़ राज्य के तालाबों और जल निकायों की कुल संख्या का संकलन करने और राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाबों एवं क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट सभी जिलाधिकारियों से मंगाने के निर्देश दिए गए हैं।

जांजगीर जिले के युवक के साथ डेढ़ लाख की ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में जांजगीर जिले के एक युवक के साथ ठगी की वारदात हो गई है। आरोपी ने युवक को हइअक्ष्ट में जूनियर इंजीनियर के पद पर नौकरी लगने के बहाने डेढ़ लाख वसूल लिए। फिर अपना मोबाइल बंद कर घर से फरार हो गया। पूरा मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। मनीष कुमार ने शनिवार को राजेंद्र नगर थाने में स्नद्धक्रदर्ज करवाई। जिसमें पुलिस को बताया कि वह बलौदा थाना जांजगीर का रहने वाला है। उसकी मुलाकात जनवरी 2024 में सरायपाली के दामोदर प्रधान से हुई थी। दोनों न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर के एक होटल पर मिले। दामोदर ने उसे हइअक्ष्ट में जूनियर इंजीनियर के पद पर नौकरी लगने का झांसा दिया। इसके एवज में उसने 3 लाख रुपए मांगे। मनीष, आरोपी के झांसे में आ गया। उसने 14 जनवरी 2024 को 1 लाख रुपए दिए। फिर फरवरी में 50 हजार और दे दिए। आरोपी डेढ़ लाख रुपए लेकर नौकरी की बात पर टालमटोल करने लगा। आरोपी ने अपना फोन बंद कर दिया और घर से भी फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने स्नद्धक्रदर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

रायपुर (समय दर्शन)। एचडीएफसी बैंक ने रायपुर छत्तीसगढ़ के शंकर नगर में अपनी नई शाखा की शुरुआत की । छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव (बाएं से दूसरे) बैंक कर्मचारियों की उपस्थिति में शाखा का उद्घाटन करते हुए। शाखा अब जनता के लिए खुली है।

शराब घोटाला मामले में अनिल टुटेजा को मेरठ कोर्ट ने 14 दिनों के लिए भेजा जेल

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा को मेरठ कोर्ट ने 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया है। साथ ही कोर्ट ने अनवर ढेबर और एपी त्रिपाठी को भी 29 जुलाई तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। सोमवार को दोनों को यूपी एसटीएफने कोर्ट में पेश किया था। बता दें कि रायपुर पुलिस अनिल टुटेजा को शनिवार रात मेरठ लेकर रवाना हुई थी। टुटेजा के खिलाफ उत्तर प्रदेश में नकली होलोग्राम मामले में एफआईआर दर्ज हुई है। इसके बाद मेरठ कोर्ट ने उसकी पेशी का वारंट जारी किया था। नकली होलोग्राम मामले में दर्ज एफआईआर के खिलाफ आरोपियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में आवेदन दिया है। इसमें नोएडा के कासना थाने में दर्ज एफआईआर को चैलेंज किया है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी के डिप्टी डायरेक्टर ने जुलाई 2023 को नकली होलोग्राम मामले में नोएडा में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस केस की जांच यूपी एसटीएफ कर रही है। एफआईआर में आबकारी विभाग के विशेष सचिव रहे एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और आबकारी विभाग के तत्कालीन आयुक्त रहे निरंदन दास और होलोग्राम सप्लाई करने वाली प्रिज्म कंपनी के डायरेक्टर विधु गुप्ता का नाम शामिल है।

शहर से कचरे का उठाव तुरंत करें, कंडम गाड़ियों की वजह से बाधित ना हो यातायात जल्द हटाएं : कलेक्टर

रायपुर(समय दर्शन)। नगर निगम सभी जोन में किसी भी स्थिति में कचरे का जमाव न होने दें। यह पाया जा रहा है कि कूड़े का देरी से उठाव होने से जगह-जगह गंदगी पसरी हुई है, इससे संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बना रहेगा। निगम का अमला रिस्पॉंस टाईम में कचरे का उठाव करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक में सभी जोन कमिश्नरों को दी। उन्होंने कहा कि कंडम गाड़ियों के कारण सड़कों में, गलियों में यातायात बाधित हो रहा है। नगर निगम और पुलिस संयुक्त अभियान चलाकर इन्हें हटाएं और कड़ी कार्रवाई करें। रायपुर। नगर निगम सभी जोन में किसी भी स्थिति में कचरे का जमाव न होने दें। यह पाया जा रहा है कि कूड़े का देरी से उठाव होने से जगह-जगह गंदगी पसरी हुई है, इससे संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बना रहेगा। निगम का अमला रिस्पॉंस टाईम में कचरे का उठाव करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक में सभी जोन कमिश्नरों को दी। उन्होंने कहा कि कंडम गाड़ियों के कारण सड़कों में, गलियों में यातायात बाधित हो रहा है। नगर निगम और पुलिस संयुक्त अभियान चलाकर इन्हें हटाएं और कड़ी कार्रवाई करें। कलेक्टर ने कहा डीकेएस, मेकाहारा तथा सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल-कॉलेजों के बाहर अवैध रूप से ठेलें-खोमचें का कब्जा हुआ है। जिससे इन स्थानों आवाजाही में बाधा और अन्य शिकायतें आ रही है। सड़कों के किनारे कबाड़ और कंडम गाड़ियों सहित यातायात बाधित हो रहें है। पुलिस विभाग, नगर निगम ऐसे मामलों पर समय-समय पर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने क्षेत्रों में सरकारी जमीन में कब्जा और अतिक्रमण जैसी सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करें।

अमेठी में लगा नारा हिंदुस्तान में रहना है तो या हुसैन कहना है इस पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अपना मत स्पष्ट करे : रोहरा

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा ने उत्तरप्रदेश के अमेठी संसदीय क्षेत्र में लगे नारे भारत में यदि रहना है, या हुसैन कहना है को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और भारत विरोधी बताते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस इस पर अपना मत स्पष्ट करे। अमेठी में इस तरह के नारे लगने के बाद कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस तरह के मजहबी उन्माद को ठीक मानती है? अमेठी, जिसे कांग्रेस अपने परिवार की सीट बताती है, में इस तरह के नारे से कांग्रेस का असली राजनीतिक चरित्र खुलकर सामने आ गया है। श्री रोहरा ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को भारत विरोध और मजहबी उन्माद तक ले जाकर कांग्रेस देश में न केवल अराजकता फैलाने के अपने नए सियासी एजेंडे पर काम कर रही है, अपितु यह भी साफकर रही है कि सत्ता की लालसा में विदेशी ताकतों के हाथों की कठपुतली तक बनने से उसे कोई गुरेज नहीं है। यह उन्मादी और घोर देशविरोधी नारा लगाने का यह दुस्साहस कांग्रेस के तुष्टीकरण की नीति के कारण हुआ है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रोहरा ने कहा कि अब छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेताओं को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अमेठी के इस वाकये से कोई इत्तेफाक रखते हैं? यह जगजाहिर है कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता भी तुष्टीकरण करके साम्प्रदायिक राजनीति की राह पर चलते रहे हैं। श्री रोहरा ने कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण का यह खेल खेलते हुए अपने पाँच साल के शासनकाल में एक ओर भगवा ध्वज के अपमान को लेकर बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को न केवल नजरंदाज किया, बल्कि राजनीतिक संरक्षण में मजहबी उन्माद की आग में पूरे प्रदेश को झुलसा दिया था, वहीं दूसरी ओर जबरिया धर्मांतरण के एजेंडे को शह देकर आदिवासियों में वर्ग संघर्ष की नौबत ला दी थी। श्री रोहरा ने कहा कि लव जिहाद के नाम पर बिरनपुर में भुनेश्वर साहू की मॉब लिंचिंग करके हत्या के मामले में कांग्रेस की तत्कालीन भूपेश सरकार ने जिस प्रकार बहुसंख्यक समाज को ही प्रताड़ित करने का काम किया था।

संपादकीय

आतंकवाद को निर्णायक रूप से परास्त किया जाए

देश की अपेक्षा यह है कि आतंकवाद को निर्णायक रूप से परास्त किया जाए। ऐसा नहीं हो पा रहा है, तो सरकार और सुरक्षा तंत्र को अपनी अब तक की रणनीति पर सिरे से पुनर्विचार करना चाहिए। छह जुलाई को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों के हमले में सेना को दो जवान मारे गए। उसके बाद जवाबी कार्रवाई में सेना ने छह दहशतगर्दों को ढेर कर दिया। मगर सिर्फ दो दिन बाद- आठ जुलाई की रात कठुआ में सेना के कारवां पर आतंकवादियों ने और भी ज्यादा घातक हमला किया। इसमें पांच सैनिकों की जान गई। बीते एक महीने में आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित अनेक घटनाएं हुई हैँ। यह याद करना उचित होगा कि पिछले नौ जून को जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण कर रहे थे, ठीक उसी समय जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद से ऐसी घटनाओं का एक सिलसिला बना हुआ है। यह इस बात का साफ संकेत है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का एक नया दौर आया हुआ है। इससे कई गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। क्या राज्य प्रशासन एवं वहां के सुरक्षा तंत्र को इस बात का कोई सुराग नहीं था कि खास कर जम्मू इलाका आतंकवाद का नया अड्डा बन रहा है? आतंकवादियों के पास से जिस तरह के आधुनिक हथियार बरामद हुए हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्हें सीमा पार से मदद मिल रही होगी। तो फिर सवाल यह उठता है कि सीमा पर चौकसी एवं घुसपैठ रोकने के उपायों का क्या हुआ? केंद्र सरकार को यह अवश्य समझना चाहिए कि ऐसी घटनाओं के लगातार होने से देशवासियों के मनोबल पर चोट लगती है। अब सोच का यह कवच भी नहीं है कि अनुच्छेद 370 के कारण आतंकवाद रोकने में कामयाबी नहीं मिल रही है। ऐसी दलीलें ज्यादा काम की नहीं हैं कि जितने सुरक्षा कर्मी मारे गए हैं, उनसे ज्यादा आतंकवादियों को ढेर किया गया है। देश की अपेक्षा यह है कि आतंकवाद को निर्णायक रूप से परास्त किया जाए। ऐसा नहीं हो पा रहा है, तो सरकार और सुरक्षा तंत्र को अपनी अब तक की रणनीति पर सिरे से पुनर्विचार करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतना और सीमा पार के दखल को नियंत्रित करना दो ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका मुकाबला किए बगैर संभवत: समस्या काबू में नहीं आएगी।

नवजातों का समय से पहले जन्म

भगवती प्र. डोभाल

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में हर घंटे औसतन 345 नवजातों का समय से पहले जन्म हो रहा है यानी मां के गर्भ में शिशु का नौ महीने तक विकास होता है, तब जन्म लेता है, पर अब ऐसी स्थिति में बदलाव हो रहा है, जिससे 'प्री टर्म बर्थ' बढ़ रहे हैं।

देखें तो विश्व में हर दो सेकंड में एक नवजात का समय से पहले जन्म हो रहा है। और हर 40 सेकंड में इनमें से एक की मौत हो रही है। इस गंभीर समस्या को फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता सामने लाए हैं। शोध के निष्कर्ष 'साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट' में प्रकाशित हुए हैं। नवजात शिशुओं का समय से पहले मां के गर्भ से बाहर आना जलवायु परिवर्तन के कारण माना जा रहा है।

जलवायु में आ रहे ऐसे बदलाव का सीधे तौर पर संबंध बच्चों की सेहत से जुड़ा है। तापमान में निरंतर बढ़ोतरी होने से न केवल प्री टर्म बर्थ होने रहे हैं, बल्कि शिशुओं की मृत्यु दर भी बढ़ रही है। ऐसी ही शेध जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर किए। एक शोध के अनुसार, चार प्रतिशत से अधिक नवजातों की मृत्यु जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले अधिकतम और न्यूनतम तापमान से जुड़ी है।

ये निष्कर्ष 'नेचर कम्युनिकेशन' पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार पिछले 18 वर्षों में एक लाख 75 हजार नवजातों की मौत उन 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चार फीसद में से औसतन 1.5 फीसद सालाना नवजात मौतें अत्यधिक तापमान से जुड़ी थीं। वहीं करीब तीन फीसद अत्यधिक ठंड से हुई थीं। इसके अलावा, 18 वर्ष की इस अवधि में नवजात शिशुओं में गर्मी से जुड़ी 32 फीसद मौतों के लिए जलवायु परिवर्तन जवाबदेह है। इसका मतलब है कि इस दौरान नवजात शिशुओं की गर्मी से जुड़ी कुल मौतों में से 1 लाख 75 हजार से अधिक मौतें जलवायु परिवर्तन के कारण मानी जा रही हैं।

शोध के आंकड़ों के अनुसार, पहले नवजात शिशुओं का जलवायु परिवर्तन की वजह से 2001 से 2019 के दौरान औसत सालाना तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दूसरा नवजात शिशुओं की शरीर तापमान नियंत्रण की क्षमता अधूरी होती है। उनका शरीर गर्मी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उच्च चयापचय और पसीने की दर कम होने से उन्हें शरीर से अतिरिक्त गर्मी को निकालना कठिन हो जाता है। तीसरी स्थिति में शोधकर्ताओं का मानना है कि उप-सहारा अफ्रीकी देशों में अत्यधिक तापमान की वजह से नवजात शिशुओं की मौतों पर ग्लोबल वार्मिंग का सबसे अधिक असर देखा गया है। चौथी स्थिति में पाकिस्तान, माली, सिएरा लियोन और नाइजीरिया में तापमान से जुड़ी नवजात शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक थीं। इनमें एक लाख जीवित जन्मों में से 160 से अधिक मौत बढ़े हुए तापमान से हुई। 2019 में विश्व भर में 24 लाख नवजात शिशु मौतें हुई। इनमें से 90 फीसद से अधिक नवजात मृत्यु निम्न और मध्यम आय वाले देशों विशेषकर उपसहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हुई। मौसम परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है, पर उस परिवर्तन में हम तेजी से बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। मनुष्य की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं और परिवर्तित भी हो रही हैं। इस परिवर्तन में तेजी लाने का कारण हमारी तकनीकी सहायक हो रही हैं। तकनीकी का विकास मानव मस्तिष्क की खोजी प्रवृति है। इस खोज में हम भूल रहे हैं कि प्रकृति का दोहन एकदम नहीं, बल्कि धीरे-धीरे करना होगा।

जम्मू-कश्मीर में फिर से सिर उठा रहे आतंकियों को केंद्र ने दिया कानूनी संदेश

कमलेश पांडे

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकी जिस तरह से पुन: सिर उठाते दिखाई पड़े, उसके मुताल्लिक केंद्र सरकार ने बिल्कुल सटीक उपाय किये और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली जैसी शक्तियों से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को भी लैस कर दिया। इससे साफहै कि जम्मू-कश्मीर में फिर से सिर उठा रहे आतंकियों को केंद्र सरकार ने सख्त कानूनी संदेश दिया है कि चाहे जितना उधम मचा लो, पर कानून के शिकंजे से बच नहीं पाओगे।केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चुनाव बाद भी तुम्हारे पॉलिटिकल बॉस किसी काम नहीं आएंगे! लिहाजा, इसके सियासी और प्रशासनिक दोनों मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ राजनीतिक दलों को तो मानो मिर्ची लग चुकी है। ऐसे में यह समझ में नहीं आता कि जब इसी साल सितंबर के अंत तक वहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तो फिर आतंकी वारदातें एकाएक बढ़ क्यों गईं? घाटी तो छोड़िए जम्मू में आतंकियों को स्थानीय समर्थन कैसे संभव हो गया, जैसा कि पुलिस खुलासा कर चुकी है? ऐसा प्रतीत होता है कि आतंकी वारदातों के पीछे कहीं न कहीं किसी सफेदपोश नेता और उनके शातिर कार्यकर्ताओं की प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होगी ही! बस, इस नजरिए से पुलिस जांच तेज करने की जरूरत है। जैसे अभी स्लीपर सेल वाले पकड़े जा रहे हैं, उसी तरह से ये सफेदपोश भी नहीं बचेंगे।

कहना न होगा कि जिस तरह से जम्मू-कश्मीर की धरती सैनिकों और आम आदमी के खून से लाल की जा रही है, उसके परिप्रेक्ष्य में देशद्रोही ताकतों की शिनाख्त और सख्त सजा दोनों की दरकार है। उम्मीद है कि उपराज्यपाल की बढ़ी शक्तियों से आतंकियों के नापाक मंसूबों को चकनाचूर किया जा सकेगा।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) जैसी शक्तियां बढ़ाने वाली धाराएं जोड़ी हैं, जिसके बाद तबादले-पोस्टिंग में अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) की मंजूरी जरूरी हो चुकी है। इस केंद्र शासित प्रदेश में पुलिस व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) जैसी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की तैनाती व तबादले एलजी की मंजूरी के बिना नहीं हो सकेंगे। क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 12 जुलाई 2024 शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों की अधिसूचना जारी की, जिसमें एलजी को और अधिक शक्तियां प्रदान की गई हैं। वहीं, उपराज्यपाल भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो से जुड़े मामलों के अलावा महाधिवक्ता और अन्य कानून अधिकारियों की नियुक्ति पर भी फैसले कर सकेंगे। इस बारे में गृह मंत्रालय ने कहा कि पुनर्गठन अधिनियम में इन प्रावधानों का जिक्र पहले से ही है। फ्लिवक्त रोजमर्रा के कामकाज में और स्पष्टता के लिए नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। पुनर्गठन अधिनियम में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

केंद्र के इस फैसले के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि राज्य में सरकार किसी की बने, अहम फैसले लेने की शक्तियां एलजी के पास ही रहेंगी। हालांकि, केंद्र के इस फैसले से जम्मू-कश्मीर में भी दिल्ली जैसे हालात पैदा हो सकते हैं, जहां सरकार और एलजी के बीच टकराव की स्थिति बनी रहती है। बहरहाल राज्य में वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज सिन्हा एलजी हैं। इसलिए उनसे टकराव की नौबत कम ही आएगी। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (2019) संसद में पारित किया गया था। इसमें जम्मू और कश्मीर को दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। पहला जम्मू-कश्मीर और दूसरा लद्दाख। इस अधिनियम ने अनुच्छेद 370 को भी निरस्त कर दिया, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। जम्मू-कश्मीर जून 2018 से केंद्र सरकार के अधीन है। 28 अगस्त 2019 को गृह मंत्रालय ने प्रशासन के नियमों को नोटिफाई किया था, जिसमें उपराज्यपाल और मंत्री परिषद के कामकाज की स्पष्ट व्याख्या की हुई है।

वहीं, अब संशोधित नियमों में अहम बिंदु जोड़े गए, जिसके मुताबिक, पहला, पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को तबतक मंजूर या नामंजूर नहीं किया जा सकता, जबतक मुख्य सचिव के जरिए उसे राज्यपाल के सामने नहीं रखा जाए। अभी इनसे जुड़े मामलों में वित्त विभाग की सहमति लेना जरूरी है।

दूसरा, किसी प्रकरण में केस चलाने की मंजूरी देने या न देने और अपील दायर करने के सम्बन्ध में कोई भी प्रस्ताव विधि विभाग मुख्य सचिव के जरिए उपराज्यपाल के सामने रखना जरूरी होगा। दूसरे शब्दों में, अभियोजन मंजूरी प्रदान करने या अपील दायर करने के लिए भी एलजी की मंजूरी लेनी होगी। तीसरा, विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग महाधिवक्ता और अन्य विधि अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के जरिए उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए पेश करेगा। चतुर्थ, कारागार, अभियोजन निदेशालय और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से सम्बंधित मामले मुख्य सचिव के माध्यम से गृह विभाग के प्रशासनिक सचिव की ओर से एलजी के समक्ष पेश किए जाएंगे। पंचम, प्रशासनिक सचिवों की तैनाती, तबादले तथा अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों से सम्बंधित मामलों में प्रस्ताव मुख्य सचिव के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सचिव की ओर से एलजी के पास भेजे जाएंगे। बता दें कि दिल्ली के केंद्र शासित राज्य होने के नाते वहां एलजी को ही सरकार माना जाता है। क्योंकि दिल्ली में कोई भी अधिसूचना बगैर एलजी की मंजूरी के जारी नहीं हो सकती। दिल्ली में केंद्र सरकार के अध्यादेश के बाद उपराज्यपाल के पास सर्विसेज विभाग, जमीन और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी है। दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर, पोस्टिंग की जिम्मेदारी एलजी के पास है। सरकार अधिकारी को हटाना या लगाना चाहती है तो उसे उपराज्यपाल से मंजूरी लेनी होगी। इसी तरह सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी सीधे एलजी की होती है। पुलिस सीधे उपराज्यपाल को रिपोर्ट करती है।

बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इस अधिसूचना को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। अधिसूचना के बाद अब राज्य में नई सरकार के गठन के बाद भी एलजी की भूमिका ताकतवर बनी रहेगी। हालांकि, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य बना देना चाहिए। उधर, कांग्रेस ने भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों में इस बात को लेकर आम सहमति रही है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। वहीं, नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की बात में दम है कि अब तो हर चीज के लिए एलजी से भीख मांगनी पड़ेगी। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव नजदीक है। इसलिए पूर्ण, अविभाजित राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता इन चुनावों के लिए एक शर्त है। जम्मू-कश्मीर के लोग शक्तिहीन, रबर स्टाम्प, मुख्यमंत्री से बेहतर के हकदार हैं, जिन्हें अपने चपरासी की नियुक्ति के लिए भी एलजी से भीख मांगनी पड़ेगी। इसलिए नए परिवर्तन से हम असहमत हैं।

वहीं, पीडीपी की चिंता स्वाभाविक है कि यह आदेश जम्मू-कश्मीर में अगली निर्वाचित सरकार की शक्तियों को कम करने का प्रयास है। उधर, अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने ठीक ही कहा है कि इस नए फैसले का उद्देश्य राज्य को खोखला बनाना है, जिसमें निर्वाचित सरकार के लिए कोई शक्ति नहीं बचेगी। सवाल है कि जब नेता लोग आतंकियों से सहानुभूति रखेंगे, पाकिस्तान के तलवे सहलाने वाली बातें बोलेंगे, तो फिर केंद्र उनकी नकेल कसने के यत्न करेगा ही। सच कहूं तो जम्मू-कश्मीर के जो वर्तमान हालात हैं, उसके मद्देनजर केंद्र के नए फैसले से असहमत होने का कोई कारण भी नहीं है। इसलिए शांति चाहते हो तो सुधर जाओ, अन्यथा केंद्र के इशारे पर कुचले जाओगे, सर्प फन मानिंद!

आषाढ़ी एकादशी : भारत के विविध आध्यात्मिक परिदृश्य में भक्ति की एक झलक

वासवी राजू बरडे

पूरे भारत में आषाढ़ महीने में पड़ने वाली एकादशी को विभिन्न नामों से जाना जाता है, जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विविधता को दर्शाता है। महाराष्ट्र में इसे आषाढ़ी एकादशी के नाम से जाना जाता है, जो पंढरपुर की वारकरी तीर्थयात्रा से निकटता से जुड़ी हुई है। इस उत्सव का इस क्षेत्र में बहुत महत्व है, हर साल लाखों श्रद्धालु इसमें भाग लेते हैं।

उत्तर प्रदेश और बिहार में इसी व्रत को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। यहाँ मुख्य रूप से भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, यह एक ऐसी अवधारणा है जो इन राज्यों की आध्यात्मिक परंपराओं से गहराई से मेल खाती है।

तमिलनाडु में, हालांकि यह केवल एकादशी उत्सव नहीं है, लेकिन आदि पेरुक्कू का त्यौहार लगभग उसी समय मनाया जाता है। यह अनोखा उत्सव जल निकायों को समर्पित है, जो तमिल संस्कृति में प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को दर्शाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य इस एकादशी को टोली एकादशी के नाम से जानते हैं। टोली शब्द का तेलुगु में अर्थ पहला होता है, जिसका अर्थ है कि तेलुगु कैलेंडर के अनुसार यह नए साल की पहली एकादशी मानी जाती है।

कर्नाटक में शयनी एकादशी मनाई जाती है, जो उत्तर भारतीय परंपरा की याद दिलाती है, जिसमें भगवान विष्णु की दिव्य निद्रा पर जोर दिया जाता है। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में फैली साझा पौराणिक कथाओं को रेखांकित करता है।

गुजरात में, हालांकि यह वास्तव में एकादशी उत्सव नहीं है, लेकिन आषाढ़ी बीज आषाढ़ के दूसरे दिन मनाया जाता है। तिथि में अंतर के बावजूद, आध्यात्मिक महत्व और भक्ति प्रथाओं के संदर्भ में यह आषाढ़ी एकादशी उत्सव से कई समानताएँ साझा करता है।

पश्चिम बंगाल की रथ यात्रा, हालांकि एकादशी नहीं है, लेकिन लगभग उसी समय होती है और इसमें भक्ति और तीर्थयात्रा की समान भावना होती है। भगवान जगन्नाथ को समर्पित यह भव्य उत्सव अपने पैमाने और उत्साह में महाराष्ट्र की वारकरी परंपरा के समान है।

ओडिशा में भी देवशयनी एकादशी को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, खास तौर पर पवित्र शहर पुरी में। यहाँ, यह प्रसिद्ध रथ यात्रा के साथ मेल खाता है, जिससे गहन आध्यात्मिक गतिविधि और उत्सव का दौर बनता है।

असम में इस दिन को देवशयनी एकादशी या विष्णुपदी एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह वैष्णव साधुओं के लिए एकांतवास की अवधि की शुरुआत का प्रतीक है, जो स्थानीय आध्यात्मिक कैलेंडर में इसके महत्व को रेखांकित करता है। मध्य प्रदेश में इस एकादशी को पद्मा एकादशी के नाम से जाना जाता है, यह नाम पद्म पुराण से लिया गया है जिसमें इस पवित्र दिन से जुड़ी कहानी है।

विभिन्न राज्यों में ये विविध नाम और उत्सव भारत के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा हिंदू कैलेंडर में इस महत्वपूर्ण दिन की व्याख्या और पालन करने के अनूठे तरीकों को उजागर करते हैं। जबकि मुख्य आध्यात्मिक महत्व भगवान विष्णु की भक्ति और व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित है, प्रत्येक क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक बारीकियों को जोड़ता है, जिससे परंपराओं की एक समृद्ध ताने-बाने का निर्माण होता है जो सामूहिक रूप से विविधता में एकता का प्रतिनिधित्व करता है जो भारतीय संस्कृति की विशेषता है।

पार्टियां और नेता अब प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि शत्रु

अजीत द्विवेदी

भारत की राजनीति इतनी विभाजित कभी नहीं रही, जितनी अभी है। पार्टियां और नेता एक दूसरे को अब राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं मान रहे हैं, बल्कि शत्रु मान रहे हैं। एक समय था जब कहा जाता था कि सब नेता मिले होते हैं। लोग देखते भी थे कि संसद में या विधानसभाओं में या राजनीतिक कार्यक्रमों में एक दूसरे के खिलाफ आग उगलने वाले नेता निजी कार्यक्रमों में एक दूसरे के गले मिलते थे। राजनीति से इतर उनके आपस में अच्छे संबंध होते थे। पक्ष और विपक्ष के नेता आपस में मिलते जुलते थे, बातें करते थे। लेकिन अब यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। अगर कहीं पक्ष और विपक्ष के नेताओं के एक दूसरे के प्रति सद्भाव दिखाने की तस्वीरें या खबरें आती हैं तो आश्चर्य ही होता है। ऐसी तस्वीरें आने पर नेता घबरा भी जाते हैं कि कहीं उनके आलाकमान को यह बात बुरी न लग जाए। असल में चुनावी फायदे के लिए वैचारिक और राजनीतिक विभाजन को निजी शत्रुता में बदलने की वजह से ऐसा हुआ।

पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एक सतत चलने वाले अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नेताओं को भ्रष्ट, परिवारवादी और निकम्मा ठहराना शुरू किया। इससे उनकी पार्टी के नेताओं की मजबूरी हो गई कि वे कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों के नेताओं से दूरी बनाएं। धीरे धीरे ऐसी स्थिति आ गई, जब भाजपा के नेता बढ़ चढ़ कर विपक्षी नेताओं को गालियां देने लगे ताकि अपनी स्वामीभक्ति साबित की जा सके। तो दूसरी ओर राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने नीतियों और सरकार के कामकाज की बजाय नरेंद्र मोदी को शत्रु मान कर सिर्फ उन्हीं को निशाना बनाने की रणनीति अपना ली।

पार्टियों और नेताओं के बीच शुरू हुआ यह विभाजन अब जमीनी स्तर पर मतदाताओं तक पहुंच गया है। अब नेता अपने खिलाफ मतदान करने वालों को अपना दुश्मन बताने लगे हैं और खुल कर कहने लगे हैं कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया। इसकी तीन मिसालें हैं, जो हाल की हैं। बिहार की सीतामढ़ी लोकसभा सीट से चुनाव जीते जनता दल यू के देवेश चंद्र ठाकुर ने नतीजों के बाद कहा कि वे मुस्लिम और यादव लोगों के काम नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने उनको वोट नहीं दिया है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम और यादव उनके पास आएंगे तो वे उनको चाय पानी करा देंगे लेकिन काम नहीं करेंगे। इसके बाद झारखंड की गोड्डा सीट से जीते भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर भाजपा को 60 फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले हैं वहां सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे, जिनकी लागत 50 से 60 लाख रुपए होगी। तीसरी मिसाल उत्तर प्रदेश की नतौर विधानसभा सीट से जीते भाजपा के ओम कुमार का है, जिन्होंने कहा है कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया है। वे नगीना सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे और हार गए थे। ये तीन प्रतिनिधि घटनाएं हैं, जिनसे पता चलता है कि राजनीतिक विभाजन किस स्तर तक पहुंच गया है। संसद और विधानसभाओं की राजनीति तो एरिना में ग्लैडियटर्स की लड़ाई में पहले ही बदल गई थी अब जमीनी राजनीति और मतदाता भी पार्टी लाइन पर बांटे जाएंगे। वैसे ही जैसे दुनिया भर में फुटबॉल के प्रशंसक बने हैं। सबकी अपनी पसंदीदा टीम होती है, जिसके जीतने पर वे जश्न मनाते हैं और हारने पर मारपीट करते हैं। क्या इसी तरह से अब देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में होगा?

जीता हुआ नेता उन लोगों के काम नहीं करेगा, जो उसकी पार्टी के या उसके विरोधी होंगे! इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम ने अब उम्मीदवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा दी है कि उन्हें पता होगा कि किस बूथ पर उन्हें कितने वोट मिले हैं। पहले जब बैलेट से चुनाव होता था तो कई बूथों के बैलेट एक साथ मिला दिए जाते थे और तब उनकी गिनती होती थी, जिससे बूथवार डाटा नहीं मिल पाता था। बहरहाल, ईवीएम की इस सुविधा का लाभ उठा कर सांसद और विधायक उन मतदान केंद्रों की पहचान कर सकते हैं, जहां उनको कम वोट मिले हैं या नहीं मिले हैं और फिर उनके साथ विकास के कार्यों में भेदभाव कर सकते हैं।

लेकिन क्या ऐसा करना शपथ का उल्लंघन नहीं होगा? लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की शपथ का प्रारूप इस प्रकार होता है, 'मैं, अमुक, जो लोक सभा का सदस्य निर्वाचित या नाम निर्देशित हुआ हूं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं या ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा, मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा तथा जिस पद को मैं ग्रहण करने वाला हूं उसके कर्त्तव्यों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगा'। राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद के लिए चुने गए या मनोनीत किए गए सदस्यों के लिए भी यही प्रारूप होता है। इसमें साफ साफ लिखा गया है कि चुना गया सदस्य देश के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेगा। ध्यान रहे भारत का संविधान सभी नागरिकों की समानता की बात करता है और किसी भी आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। ऐसे में संविधान को मानने वाला कोई भी व्यक्ति यह कैसे कह सकता है कि वह एक वर्ग के लिए काम करेगा और दूसरे के लिए नहीं करेगा?

यहां एक तकनीकी पहलू है, जिसका इस्तेमाल खुलेआम भेदभाव की बात करने वाले सांसदों और विधायकों के बचाव में किया जा सकता है। वह पहलू यह है कि मंत्रियों के शपथ में एक अतिरिक्त लाइन यह जोड़ी जाती है कि, 'मैं संविधान और विधि के अनुसार सभी प्रकार के लोगों के साथ भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना अच्छा व्यवहार करूंगा'। यह लाइन सांसदों और विधायकों की शपथ में नहीं होती है। क्या इससे सांसदों और विधायकों को यह छूट मिल जाती है कि वे भेदभाव कर सकें? वे अपने समर्थक मतदाताओं की पहचान करें और उनको ज्यादा महत्व दें? और वोट नहीं देने वाले मतदाताओं के लिए काम नहीं करें? इससे तो हर चुनाव क्षेत्र में पार्टियों के घेटो बन जाएंगे। सामाजिक स्तर पर इससे कितना बड़ा विद्वेष बढ़ेगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। जाति और धर्म के आधार पर गांव गांव में गोलबंदी होगी, आए दिन आपस में झगड़े होंगे और राजनीतिक विभाजन सामाजिक संरचना को बुरी तरह से छिन्न भिन्न कर देगा। इससे पहले कि इक्का दुक्का नेताओं की ओर से दिए जाने वाले बयान सांस्थायिक रूप लें और राजनीतिक विभाजन गांवों, कस्बों तक पहुंच कर सामाजिक ताना बाना तोड़ने लगे उससे पहले इस महामारी को रोकना होगा।

कब से शुरू हो रहे हैं चातुर्मास

शास्त्रों में चातुर्मास के दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्यों को करना वर्जित बताया गया है। चातुर्मास के समय देवी-देवताओं की पूजा करना अत्यंभ लाभकारी और शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब शुरू होंगे और कब इसका समापन होगा।

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व बताया गया है। चातुर्मास के शुरू होते ही सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के प्रारंभ होते ही भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद प्रभु नारायण देवउठनी एकादशी के दिन ही जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन ही चातुर्मास का समापन होता है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब से शुरू हो रहे हैं और इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही क्यों होती है।

चातुर्मास 2024 कब से शुरू हो रहे हैं?

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास शुरू होता है, जो कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि तक रहता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, चातुर्मास की शुरुआत देवशयनी एकादशी से होती है। इस साल देवशयनी एकादशी का व्रत 17 जुलाई को रखा जाएगा। देवशयनी एकादशी के दिन ही भगवान विष्णु पूरे 4 महीने के लिए योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके बाद देवउठनी एकादशी के दिन श्री हरि योग निद्रा से बाहर आएंगे। इस साल देवउठनी एकादशी 12 नवंबर, 2024 को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब तक विष्णु जी योग निद्रा में रहते हैं तब तक संसार का संचालन भगवान शिव करते हैं।

चातुर्मास के दौरान क्या नहीं करना चाहिए?

भगवान विष्णु के शयन काल से लेकर जागने तक की समय को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ करना पुण्यकारी फलों की प्राप्ति वाला माना जात है। वहीं चातुर्मास के समय मांगलिक कार्य जैसे- शादी-विवाह, मुडंन, जनेऊ, नया वाहन खरीदना, नई प्रॉपर्टी खरीदना, घर का निर्माण नया बिजनेस शुरू करना और भूमि पूजा जैसे आदि कार्यों को करने से बचना चाहिए।

शुरू होने वाला है चातुर्मास, चार माह के लिए बंद हो जाएंगे शुभ और मांगलिक कार्य

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व होता है। चातुर्मास जिसका सामान्य अर्थ होता है चार महीने। चातुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु को समर्पित होते हैं। धार्मिक कर्मकांड और ज्योतिषशास्त्र में चातुर्मास का खास महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि, जिसे देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है चातुर्मास की शुरुआत होती है। आइए जानते हैं इस वर्ष कब से चातुर्मास की शुरुआत होने जा रही है और इसका क्या महत्व है।

कब से शुरू होंगे चातुर्मास

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है और इसका समापन देवउठनी एकादशी पर होता है। इस बार चातुर्मास की शुरुआत 17 जुलाई से हो रही है, वहीं देवउठनी एकादशी 12 नवंबर को है। चातुर्मास में भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योगनिद्रा में होते हैं।

चातुर्मास का महत्व

हिंदू धर्म में आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से लेकर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि तक का विशेष महत्व होता है। इस दौरान ही चातुर्मास लगता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास के चार महीनों के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में माता लक्ष्मी की साथ योग निद्रा में होते हैं। सनातन धर्म के अनुसार सृष्टि का संचालन भगवान विष्णु के हाथों में होता है, लेकिन चातुर्मास के दौरान चार महीनों के लिए भगवान विष्णु वैकुंठ धाम को छोड़कर पाताललोक में वास करते हैं। ऐसे में इस दौरान किसी किसी भी तरह का कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करना वर्जित होता है। ऐसी मान्यता है कि चातुर्मास में भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने के कारण सृष्टि के संचालन का समस्त कार्यभार भगवान शिव के हाथों में आ जाता है। इसी कारण से जैसे ही चातुर्मास शुरू होता है, फिर आषाढ़ माह के समापन होते हैं श्रावण माह की शुरुआत होती है, जिसमें भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा आराधना होती है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा में होने कारण सभी देवी-देवता भी योग निद्रा में चले जाते हैं।

चातुर्मास में क्या करें और क्या नहीं

- भगवान विष्णु को न चढ़ाए जाने वाले खाद्य पदार्थ, मसूर, मांस, लोबिया, अचार, बैंगन, बेर, मूली, आंवला, इमली, प्याज और लहसुन इस अवधि के दौरान वर्जित माने जाते हैं।
- पलंग पर नहीं सोना चाहिए।
- ऋतु काल के बिना स्त्रीगमन।
- दूसरों का अन्न नहीं लेना चाहिए।
- विवाह या अन्य शुभ कार्य।
- चातुर्मास में चार माह अथवा कम से कम दो माह तो एक स्थान पर रहना चाहिए।
- चातुर्मास में साधना और आत्मसंयम का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- चातुर्मास में चावल, मूंग, जौ, तिल, मूंगफली, गेहूं , समुद्र का नमक, गाय का दूध, दही, घी, कटहल, आम, नारियल, केला यह पदार्थ सेवन करने चाहिए।

सनातन धर्म के ज्यादातर लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त जरूर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों का फल हमेशा शुभ ही मिलता है। हालांकि साल में चार महीने ऐसे भी होते हैं, जब कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि इस साल चातुर्मास का आरंभ और समापन कब हो रहा है? इसी के साथ हम आपको ये भी बताएंगे कि चातुर्मास में क्यों कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है?

चातुर्मास के दौरान क्यों कमजोर पड़ जाते हैं सूर्य?

चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं।

हिन्दू धर्म में चातुर्मास का बहुत महत्व माना जाता है। चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं। वहीं, ज्योतिष दृष्टि से देखा जाए तो चातुर्मास के दैरान सूर्य भी कमजोर पड़ जाते हैं। ऐसे में सूर्य की दिशा और दशा का सभी राशियों पर गहरा असर देखने को मिलता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि आखिर क्यों चातुर्मास में सूर्य कमजोर हो जाते हैं और कुंडली में इन्हें मजबूत कैसे बनाए रख सकते हैं।

चातुर्मास में सूर्य क्यों होते हैं कमजोर?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास के लिए गए थे तब सूर्य देव सभी के साथ चले गए थे, जिसके कारण सृष्टि में अंधकार छा गया था। तब भगवान विष्णु ने सूर्य को पुनः अपने स्थान पर लौटने के लिए कहा। सूर्य देव लौट तो आए लेकिन अन्य देवताओं की ऊर्जा का साथ न मिल पाने के कारण उनका तेज कम हो गया था। इसी कारण से चातुर्मास के दौरान सूर्य कमजोर पड़ जाते हैं। सूर्य की दिशा और दशा नीच हो जाती है और उनकी चाल में भी धीमापन आ जाता है। ऐसे में सूर्य को मजबूत करने के उपाय करने चाहिए।

सूर्य को मजबूत करने के उपाय

चातुर्मास के दौरान सूर्य की कृपा अपने ऊपर बनाए रखने के लिए रोजाना सूर्य को अर्घ्य दें। आप चाहें तो सूर्य को अर्घ्य देने वाले जल में काले तिल मिला सकते है। इससे न सिर्फ सूर्य मजबूत होंगे बल्कि पितृ भी प्रसन्न होंगे।
चातुर्मास के दौरान सूर्य को मजबूत करने के लिए पीली चीजों का दान करना चाहिए। इसके अलावा, खुद भी कोशिश करें कि अधिकतर पीले, लाल या नारंगी रंग के ही वस्त्र धारण करें। इससे सूर्य कृपा बनी रहेगी।

कब है देवशयनी एकादशी?

बन रहे शुभ योग

विष्णु पूजा मुहूर्त और महत्व

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा में 4 माह के लिए चले जाते हैं. तब से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है, जो चार माह तक रहता है. चातुर्मास में सभी देव सो जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में आ जाता है. इस बार देवशयनी एकादशी के दिन 4 शुभ योग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करते हैं. उनकी कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, पाप नष्ट होते हैं. काशी के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि देवशयनी एकादशी कब है? देवशयनी एकादशी का मुहूर्त और महत्व क्या है?

कब है देवशयनी एकादशी?

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी की पावन तिथि 16 जुलाई को रात 08 बजकर 33 मिनट पर शुरु है और इसका समापन 17 जुलाई को रात 09 बजकर 02 मिनट पर होगा. उदयातिथि के आधार पर देवशयनी एकादशी का व्रत 17 जुलाई दिन बुधवार को रखा जाएगा और व्रत का पारण गुरुवार को होगा.

देवशयनी एकादशी 2024 मुहूर्त

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी की पूजा आप ब्रह्म मुहूर्त से कर सकते हैं. उस दिन सुबह से ही सर्वार्थ सिद्धि योग बना है, जिसमें किए गए कार्य सफल सिद्ध होंगे.

4 शुभ योग में है देवशयनी एकादशी

इस साल की देवशयनी एकादशी पर 4 शुभ योग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी वाले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, शुभ योग और शुक्ल योग बने हैं. ये सभी योग पूजा पाठ और शुभ कार्यों के लिए अच्छे माने जाते हैं. व्रत के दिन अनुराधा नक्षत्र और पारण वाले दिन ज्येष्ठा नक्षत्र है.

देवशयनी एकादशी व्रत पारण समय

जो लोग 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी का व्रत रखेंगे, वे व्रत का पारण 18 जुलाई गुरुवार को करेंगे. पारण का समय सुबह 05 बजकर 35 मिनट से सुबह 08 बजकर 20 मिनट के बीच है. इस समय में पारण करके व्रत को पूरा कर लेना है. पारण वाले दिन द्वादशी तिथि का समापन रात 08 बजकर 44 मिनट पर होगा.

देवशयनी एकादशी पर क्या करें

ऐसे करें अभिषेक - अगर घर में सुख समृद्धि चाहते हैं तो देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का दक्षिणावर्ती शंख में जल और केसर डालकर जलाभिषेक करें. इससे भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी का भी आशीर्वाद मिलता है और आपके घर में बरकत आती है.

सिक्के का उपाय - देवशयनी एकादशी की रात को एक रुपये का सिक्का भगवान विष्णु की तस्वीर के पास रख दें, रात भर यह सिक्का वहीं रहने दें. अगले दिन सुबह यह सिक्का लाल कपड़े में बांधकर अपने धन स्थान या तिजोरी में रख दें. मान्यता है इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन की कभी कमी नहीं होती.

तुलसी पूजा - दांपत्य जीवन में खुशियां पाने के लिए देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के पास देशी घी का दीपक जलाकर आरती करें और लाल चुनरी अर्पित करें. ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करते हुए 11 बार परिक्रमा करें. इस उपाय से पति-पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं.

करियर में तरक्की - अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है, करियर में तरक्की रुक गई है तो देवशयनी एकादशी पर जरुरतमंदों को धन, अन्न, कपड़े का दान करें. इससे श्रीहरि प्रसन्न होते हैं.

देवशयनी एकादशी पर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय, मां लक्ष्मी की होती है विशेष कृपा

देवशयनी एकादशी, जो कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ती है, भगवान विष्णु के शयनकाल का प्रारंभ दिवस माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और चार महीने के बाद कार्तिक मास की प्रबोधिनी एकादशी को जागते हैं।

इस साल 17 जुलाई 2024, बुधवार के दिन देवशयनी एकादशी पड़ रही है। यह पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इस दिन भगवान विष्णु और माता तुलसी की पूजा की जाती है। देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी की पूजा करना विशेष रूप से शुभ होता है। मान्यता है कि इस दिन तुलसी से जुड़े कुछ उपाय करने से धन-वृद्धि, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली प्राप्त होती है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि देवशयनी एकादशी पर माता लक्ष्मी को खुश करने के लिए क्या उपाय करना चाहिए।

दीपक जलाएं

देवशयनी एकादशी के दिन माता तुलसी की पूजा करते समय दीपक जरूर जलाएं, साथ ही भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

11 बार परिक्रमा करें

हिंदू धर्म में पूजा करते समय परिक्रमा का बहुत महत्व होता है। ऐसे में तुलसी माता के पूजा के दौरान देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी माता का कम से कम 11 बार परिक्रमा जरूर करें। परिक्रमा करते समय ऊँ नमो नारायणाय या लक्ष्मी नारायणाय नमः मंत्र का जाप करें।

पूजा में तुलसी का पत्ता जरूर डालें

देवशयनी एकादशी के दिन विधि विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें, और भोग में तुलसी का पत्ता डालना न भूलें। मान्यताओं के अनुसार इससे हर मनोकामना पूरी होती है।

माता तुलसी को लाल चुनर चढ़ाएं

मान्यताओं के अनुसार हिंदू धर्म में देवी माता का पूजा करते समय लाल चुनर चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसलिए पूजा करते समय माता तुलसी को लाल चुनरी जरूर बांधें। इससे वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानी दूर होंगी और रिश्तों में मिठास आएगी।

संक्षिप्त समाचार

मॉर्डन, बोल्ड और मस्कुलर: स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के डिजाइन की झलक दिखाई

नईदिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया का जलवा दुनिया भर में अपनी 129वीं वर्षगांठ और भारत में 24वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहा है। पूरे साल ग्राहकों और प्रोडक्ट्स से जुड़ी कई तरह की पहल करने और 2024 की शुरुआत में एक ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने इस ऑल-न्यू कार की दूसरी झलक पेश की है। डिज़ाइन टीज़र की रिलीज़ के बारे में, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र जेनेबा ने कहा: हमने 2024 की शुरुआत अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के एलान के साथ की थी। 2024 के मध्य में, हम अपने तय रास्ते पर हैं। हमारी कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत भर में सड़कों पर कठोर परीक्षण से गुज़र रही है और हम अपनी प्रोडक्ट तैयारियों, उच्च कार्यकुशलता और गुणवत्तापूर्ण लोकल सप्लायर पार्टनर्स के साथ मिलकर लगातार इसकी खासियतों में वृद्धि कर रहे हैं। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी भारतीय सड़कों पर हमारी यूरोपीय तकनीक को सही मायने में लोकप्रिय बनाएगी। चूंकि यह एसयूवी एक बड़े कार प्लेटफ़ॉर्म पर आधारित है, इसलिए हमारी कॉम्पैक्ट एसूयवी में कॉम्पैक्ट पहचान के भीतर 'बड़ी कार' का एहसास होगा और इस तरह यह नए कार खरीदारों के लिए एक बेहतरीन अपील होगी। ये भारत के प्रति हमारी ब्रांड प्रतिबद्धता के अनुरूप है, क्योंकि यूरोप के बाहर स्कोडा ऑटो के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण बाज़ार है। यूरोप के बाहर बनाई गई स्कोडा की ज़्यादातर कारें हमारी स्थानीय फैक्ट्रियों में निर्मित होती हैं और हम स्थानीय रूप से बनाई जाने वाली स्कोडा कारों को 14 देशों में निर्यात कर रहे हैं। डिजाइन : कुशाक और स्लाविया जैसी बड़ी कारों के लिए विकसित स्त्क्क0-ड्ढह प्लेटफॉर्म पर आधारित होने के कारण, स्कोडा की आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी 4-मीटर की लंबाई कायम रखते हुए एक बड़ी कार के डायनैमिक्स, हैंडलिंग और रोड मैनर से सुसज्जित होगी। डिज़ाइन के बारे में जो बताया गया है, उससे स्कोडा ऑटो की मॉडर्न सॉलिड डिज़ाइन लैंग्वेज के तत्वों का संकेत मिलता है। बिल्कुल नई कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत में मॉडर्न सॉलिड डिज़ाइन लैंग्वेज की कंपनी की पहली पेशकश होगी। यह साफ और कम रेखाओं द्वारा डिफाइंड है जो स्कोडा कारों की सादगी, मजबूती और गुणवत्ता को दर्शाती हैं। डिजाइन दृष्टिकोण : डिज़ाइन टीम ने इस ऑल-न्यू एसयूवी को फेंडर के चारों ओर बोल्ड और मस्कुलर शेप देने का प्रयास किया है, जिसका लक्ष्य कार को बेहतर स्टांस और सड़क पर बेहतर मौजूदगी प्रदान करना है। इस स्कोडा में ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर चलने के लिए व्हील के चारों ओर एक हाई ग्राउंड क्लीयरेंस और स्पेस भी होगा जो कार को एसयूवी का कैरेक्टर प्रदान करेगा। डिज़ाइन में सामने की ओर विशिष्ट स्कोडा एसयूवी लैंग्वेज को बनाए रखा जाएगा और परिष्कृत और सटीक डीआरएल लाइट सिग्नेचर जैसे डिटेल जोड़े जाएंगे। आगामी स्क्क में कार के साइड और रियर पर हेक्सागन पैटर्न भी होगा जो डिज़ाइन को और अधिक वैल्यू प्रदान करता है।

यूटीआई मिड कैप फंड: बाजार के संभावित अवसरों का लाभ उठाएं

नईदिल्ली। जैविक जीवन चक्र के विपरीत, कंपनियां विकास और सेचुराइजेशन के दौर से गुजरती हैं। मिड कैप कंपनियां विशिष्ट व्यावसायिक जीवन चक्र में एक अवधि पर मुनाफ़ लेती हैं, जिसमें कंपनियों ने छोटी कंपनियों के निहित चरण को सफ्लतापूर्वक नेविगेट किया है। जैसे प्रारंभिक पूंजी जुटाना, प्रारंभिक विकास चुनौतियों का प्रबंधन करना। हालाँकि, इन कंपनियों के नेतृत्व को बनाए रखने की संभावना रहती है, लेकिन यह कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों के साथ काम करते हैं। इसलिए, मिड-कैप कंपनियां तेजी से बढ़ते छोटे व्यवसायों और स्थापित बड़ी कंपनियों के बीच एक संतुलित स्थान की पेशकश कर सकती हैं। मिडकैप स्टॉक लार्ज कैप और स्मॉल कैप शेयरों के बीच के होते हैं और आमतौर पर कंपनियों के बाजार पूंजीकरण के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। सेबी के मुताबिक, बाजार पूंजीकरण में 101वीं से 250वीं कंपनी मिड कैप स्टॉक हैं। एक मिडकैप फ्ंड मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में फ्ंड के कॉर्पस का न्यूनतम 65 प्रतिशत निवेश करता है। मिडकैप कंपनियों में निवेश करने वाले फ्ंड निवेशकों को मध्यम आकार के व्यवसायों के विकास अवसर से लाभ उठाने का अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, निवेशकों को अपने निहित जोखिमों का संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि मिडकैप फ्ंडों की जोखिम और प्रतिफ्ल क्षमता दोनों ही विविध विकास फ्ंडों की तुलना में अधिक हैं। यूटीआई मिड कैप फ्ंड एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों में निवेश करता है। फ्ंड की रणनीति स्केलेबल बिजनेस मॉडल और लंबी ग्रोथ वाली कंपनियों में निवेश पर केंद्रित है। यह फ्ंड उन अच्छी कंपनियों में निवेश करने के लिए भी खुला है, जिनका कारोबार अस्थायी दौर या परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

धान खरीदी केन्द्र में 1.53 करोड़ का घपला, खरीदी प्रभारी एवं ऑपरेटर के विरूद्ध एफआईआर के निर्देश

बिलासपुर (समय दर्शन)। मस्तुरी ब्लॉक के धान खरीदी केन्द्र गोडाडीह में धान खरीदी केन्द्र में गड़बड़ी पाये जाने पर खरीदी प्रभारी प्रकाश लहरे एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर योगेश कुमार लहरे के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर उप आयुक्त सहकारिता श्रीमती मंजू पाण्डेय ने लोहर्सी सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक को संबंधित थाने में एफ्आईआर दर्ज कराकर सूचित करने को कहा है। गौरतलब है कि संयुक्त जांच टीम द्वारा कराये गये जांच में 4950.21 क्विंटल धान का घपला किया जाना प्रमाणित हुआ है जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 53 लाख 46 हजार है ढ्ढ

उल्लेखनीय है कि सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोडाडीह पंजीयन क्रमांक 575 की जांच सहायक खाद्य अधिकारी मस्तुरी, सहकारिता विस्तार अधिकारी मस्तुरी, खाद्य निरीक्षक मस्तुरी एवं बैंक प्रबंधक लोहर्सी द्वारा 16 जून 2024 को संयुक्त रूप से किया गया। जांच टीम के प्रतिवेदन के अनुसार उस समय खरीदी प्रभारी के रूप में प्रकाश लहरे एवं ऑपरेटर के रूप में योगेश कुमार लहरे पदस्थ हैं, जो जांच के दौरान मौके पर

उपस्थित थे। रिपोर्ट के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में खरीदी केन्द्र द्वारा 62560.40 क्विंटल धान का खरीदी किया जाना पाया गया। जिसमें से 56604.70 क्विंटल धान का परिदान होना एवं 5955.70 क्विटल धान का शेष होना पाया गया।

मौके पर खरीदी केन्द्र में उपलब्ध धान का सत्यापन किया गया। पांच विभिन्न स्टेकों में 3087 बोरी धान भौतिक रूप से पाया गया। इसमें से 10 बोरे का रेण्डमली वजन किया गया। औसत वजन 32.57 किलोग्राम पाया गया। इस प्रकार 3087 बोरी धान का कुल वजन 1005.49 क्विंटल धान भौतिक रूप से उपलब्ध पाया गया। धान का ऑनलाईन शेष स्टॉक 5955.70 क्विंटल से भौतिक रूप से प्राप्त धान 1005.49 क्विंटल से घटाने पर 4950.21 क्विंटल धान कम होना पाया गया।

कलेक्टर के खाद्य शाखा द्वारा 10 जुलाई को कराये गये जांच में भी इतनी ही धान की मात्रा कम पायी गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार गोडाडीह के धान खरीदी प्रभारी प्रकाश लहरे एवं ऑपरेटर योगेश कुमार लहरे द्वारा प्रथम दृष्टया धान का व्यपवर्तन किया जाना एवं खरीदी में लापरवाही किया जाना पाया गया। जो कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में जारी धान खरीदी नीति की कण्डिका 16.9 का खुला उल्लंघन है। इसलिए बैंक के शाखा प्रबंधक को उक्त दोनो कर्मचारियों के विरूद्ध थाने में एफ्आईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नवनीत बने आत्मनिर्भर दे रहे दूसरों को रोजगार

छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड से मिली अनुदान राशि से बढ़ाया कारोबार

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड जांजगीर-चांपा से जुड़कर युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। साथ ही साथ बेरोजगारों को रोजगार भी मुहैया करा रहे हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत उन्हें अनुदान के रूप में राशि उपलब्ध करा रहे है। ऐसे ही जिले के अकलतरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सराईपाली में रहते है नवनीत साहू। जो खादी ग्रामोद्योग की तरफ से उठाए जा रहे कदम से लाभ लेकर अगरबत्ती उद्योग के माध्यम से आगे स्वयं बढ़े बल्कि उन्होंने गांव की आठ से दस महिलाओं को भी स्वरोजगार प्रदान किया। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के माध्यम से दूर-दराज के गांवों में लोगों को रोजगार मुहैया कराना है। योजना के माध्यम से युवाओं के लिए स्वरोजगार से जोड़कर को बेरोजगारी से मुक्ति दिलाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे ही अकलतरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सराईपाली के रहने वाले नवनीत साहू हैं, जिन्होंने वर्ष 2022-23 में खादी ग्रामोद्योग की योजना का लाभ लेकर बैंक से लोन लिया और अगरबत्ती उद्योग की शुरूआत की। नवनीत बताते हैं कि अगरबत्ती का कार्य छोटे स्तर पर वह कर रहे थे, लेकिन मुनाफ उतना नहीं हो रहा था, ऐसे में एक दिन उन्हें खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा दी जाने वाली योजना के बारे में जानकारी मिली। फिर उन्होंने विभाग से सारी जानकारी एकत्रित की और अपना आवेदन किया। अगरबत्ती उद्योग लगाने के लिए उन्हें 12 लाख रूपए की लोन की जरूरत थी, आवेदन विभाग के माध्यम से बैंक में जमा किया और इसमें खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से उन्हें 35 फीसदी अनुदान के रूप में 4.20 लाख रूपए प्राप्त हुई। इसके बाद उन्होंने अगरबत्ती बनाने की मशीन खरीदी और अगरबत्ती बनाने का सामान खरीदा और अपने व्यवसाय को बढ़ाया। वह बताते हैं कि मशीन आने के बाद कारोबार बढ़ गया और आसपास के व्यापारियों सहित अकलतरा, जांजगीर, बिलासपुर एवं रायपुर के व्यापारियों को अगरबत्ती बनाकर देने लगे। इस कार्य में उन्होंने गांव की आठ से दस महिलाओं को भी रोजगार मुहैया कराया है, जो गांव में रहते हुए आमदनी अर्जित कर रही है। प्रतिमाह सारे व्यय करने के बाद उन्हें 20-25 हजार रूपए की आमदनी हो रही है, जिससे वह अपने परिवार का पालन पोषण बेहतर तरीके से कर पा रहे हैं। नवनीत का कहना है कि स्वयं के व्यवसाय करने से आत्मसंतुष्टि मिलती है और आगे बढ़ने का मौका भी मिला। वह सरकार की इस योजना के लिए धन्यवाद भी देते हैं और कहते हैं वह आसपास की महिलाओं को भी इस स्वरोजगार से जोड़ने का सतत प्रयास कर रहे हैं, ताकि सभी आत्मनिर्भर बनकर अपनी आजीविका अर्जित कर सकें।

जिला स्तरीय वनमहोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सांसद, कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियो, छात्र-छात्राओं, अधिकारी-कर्मचारियों ने किया "एक पेड़ मां के नाम" के तहत पौधरोपण

वन महोत्सव में पौधरोपण कर पौधों की सुरक्षा एवं देख भाल की दिलाई शपथ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले में 10 जुलाई से 16 जुलाई तक "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृहद पौध रोपण सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके तहत आज पुलिस लाईन खोखरा में जिला प्रशासन एवं वन मंडल जांजगीर-चांपा द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करते हुए वृहद पौध रोपण सप्ताह का समापन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राएं सहित आम नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास नारायण कश्यप, विधायक अकलतरा राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कुसुम कमल किशोर, राजकुमार साहू, श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, गुलाब सिंह चंदेल, अमर सुलतानिया, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी, वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पांडेय, अपर कलेक्टर एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल कुमार रावटे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं एवं नागरिक जन उपस्थित थे। इसके साथ ही जिले के सभी स्कूल, कालेज, आंगनबाड़ी केन्द्र, आश्रमों, शासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायत भवनों, अमृत सरोवर सहित विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण करते कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आव्हान पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान में सभी नागरिक, स्कूली बच्चें पेड़ अवश्य लगाएं। पेड़ लगाने साथ ही उसकी देखभाल जरूर करें। श्रीमती जांगड़े ने बेल का पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों को शामिल होने का आग्रह किया है। विधायक अकलतरा राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करना बहुत जरूरी है और सबसे महत्वपूर्ण है लगाए गए पौधे का देखभाल एवं संरक्षण करना। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ बिजली के दुरूपयोग का कम करने एवं जल संरक्षण कर पर्यावरण के प्रति और अधिक जागरूक होने का संदेश दिया। विधायक जांजगीर-चांपा ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए अतिआवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति पेड़ लगाये जिससे हमारे जिले में हरियाली आये। पेंड़ो से हमें शुद्ध वायु मिलती है जो जीवन के आवश्यक है। उन्होंने कहा पौधारोपण हमारे बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी साबित होगा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी एक पेड़ मां के नाम अभियान को घर-घर पहुंचाएं है।

स्नैक मैन के रूप में टिंकू शुक्ला ने अंचल में बनाई अपनी पहचान

रोजाना पांच से सात सांपों की करते हैं नि:शुल्क रेस्क्यू

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय जांजगीर निवासी अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला समूचे क्षेत्र में स्नैक मैन के रूप में जाने जाते हैं। वे जहरीले सांपों को चंद मिनट में पकड़ लेते हैं। यही वजह है कि जिलेभर में उनकी खासी पूछपरख है। खास बात यह है कि वे लोगों के घरों और बाग़-बगीचों से सांप को पकड़ने का कार्य नि:शुल्क करते हैं।

यहाँ बताना लाजिमी होगा कि बारिश के दिनों में अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला की पूछपरख रोजाना होती है। वे एक दिन में पांच से सात जहरीले साँपों का रेस्क्यू करते हैं। दिन हो या फ्रि आधी रात, उन्हें जब भी कोई फोन करके बुलाता है तो वे स्वयं के साधन से मौके पर पहुंच जाते हैं और नि:शुल्क वहाँ से सांप को पकड़ कर निर्जन स्थल या फ्रि दूर जंगल में छोड़ देते हैं। अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला, किसी भी जहरीले सांप को पकड़ने के बाद उसे आम लोगों के सुपुर्द नहीं करते। वे सांप को पकड़कर अपने पास रखते हैं और फ्रि निर्जन स्थल पर उसे सुरक्षित छोड़ देते हैं। अब तक वे हजारों सफ्ल रेस्क्यू कर भयभीत लोगों सहित असुरक्षित साँपों की रक्षा कर चुके हैं। उनका मानना है कि अंचल में अक्सर देखने को मिलता है कि यदि कोई जहरीला सांप दिखाई देता है तो उसे मारकर जला दिया जाता है, जो गलत है। बताते चलें कि आम लोगों तक पहुंचने के लिए अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला ने एक रोचक तरीका अपनाया है। वे और उनके सहयोगी, विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक इस बात की खबर पहुंचाते हैं कि सांप दिखने पर उसे मारने या नुकसान पहुंचाने के बजाय उनकी रेस्क्यू टीम के लोगों को मोबाइल पर इसकी जानकारी दें। ताकि, आमजन और सांप, दोनों की सुरक्षा की जा सके।

सांपों के बारे में लोगों को कर रहे जागरूक- अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला ने बताया कि वे सांपों के बारे में लोगों को जागरूक करने की भी कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र में, लोग अब सांपों को नहीं मारते हैं। अगर उन्हें सांप दिखता है, तो वे मुझे फोन करके बुलाते हैं और हम उसे बचा लेते हैं। मैं लोगों से कहा करता हूं कि सांप केवल आत्मरक्षा में हमला करते हैं, जब उन्हें लगता है कि उनकी जान खतरे में है।

टिंकू शुक्ला की टीम में छह और लोग- अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला ने कहा कि उनकी टीम में छह और लोग भोला राठौर, दादू राठौर, आशीष कहरा, पप्पू शिवा, सोनू व धन्नू हैं, जो उनके साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम अपने साथ विशेष दस्ताने, लाठी, जूते, हुक और अन्य सुरक्षा सामग्री रखते हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनकी टीम की नि:स्वार्थ सेवा की सराहना की है और उन्हें सम्मानित भी किया है। टिंकू शुक्ला ने कहा कि शुरुआत में, जब मैंने सांपों को बचाना शुरू किया और इसे पूर्णकालिक सेवा कार्य के रूप में करना शुरू किया, तब मेरा परिवार मुझे ऐसा करने से मना करता था। लेकिन, अब उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है।

15 साल की उम्र से पकड़ रहे सांप- अनुराग उर्फ़ टिंकू शुक्ला ने कहा कि मैं 10 साल से भी अधिक समय से सांपों को बचा रहा हूं। उनमें से ज्यादातर ऐसे सांप हैं, जो लोगों के घरों और बगीचों में घुस जाते हैं। यह पूछे जाने पर कि सांपों को बचाने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली, तब उन्होंने कहा कि जब वे करीब 15 साल के थे, तब उनके दोस्त के घर एक सांप घुस गया था, जिसे लोग मारने की तैयारी में थे, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाकर उस सांप को पकड़ लिया और फ्रि निर्जन स्थान पर छोड़ दिया, तभी से साँपों को बचाने का यह सिलसिला शुरु हो गया।

खबर-खास

पहाड़ी क्षेत्र ओंड आमामोरा में लगा स्वास्थ्य कैंप

गरियाबंद (समय दर्शन)। बारिश शुरू होते ही मुश्किलों का दौर हुआ शुरू ,मौसमी बुखार के साथ मलेरिया के मिल रहें मरीज। माननीय कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल मैडम के मार्गदर्शन में गत दिनों गरियाबंद जिले के जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर एम मनीष और 10 सदस्यीय टीम द्वारा जिले के दुर्गम पहाड़ियों पर बसे उप स्वास्थ्य केंद्र ओड के सभी आश्रित ग्रामों जोबपारा,कुकरार, नगरार हथौड़ाडीह में घर घर जाकर मलेरिया सर्वे किया गया।नगरार और जोबपारा में गई टीम को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा,सर्वे करने गई टीम की चार पहिया वाहन कीचड़ भरे रास्ते में 1 घंटे फंसी रही वहीं दूसरी ओर नगरार जा रही स्वास्थ्य टीम ने दोपहिया वाहन से जैसे तैसे पहुंच कर लोगो का उपचार किया। गावों में घर घर भ्रमण कर सर्वे टीम द्वारा 1140 लोगों रैपिड मलेरिया टेस्ट किया गया।जांच में 8 मलेरिया धनात्मक रोगियों को एसीटी किट की प्रथम डोज दवा खिलाकर त्वरित उपचार किया गया।जिला मलेरिया अधिकारी ने विजिट के दौरान मलेरिया से बचने हेतु लोगो को सोते समय मच्छरदानी उपयोग करने और लार्वा समाप्ति हेतु पानी से भरे गड्ढों में जला हुआ तेल डालने और खाली बर्तनों टायर टंकी में पानी जमा न होने देने और घरों के आसपास साफ सफाई रखने के निर्देश दिए।गांव की मितानिन के पास पर्याप्त मात्रा में मलेरिया जांच और उपचार कीट के साथ बुखार,उल्टी दस्त और मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए दवाइयां उपलब्ध कराई गई।11 सदस्यीय टीम में ग्रामीण चिकित्सा सहायक विकास वर्मा,पर्यवेक्षक यू एस आयाम,एस आर मरकाम,स्वास्थ्य संयोजक दिलीप सेन,जयसिंह सिदार, कृष्णा पैकरा नीरज कन्नौजे,ज्ञानदास मानिकपुरी सी एच ओ दुर्गेश पुरेना और एम टी नेकराम और गांव के सभी मितानिन उपस्थित रहे।

पीएम जनमन योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी- कलेक्टर अग्रवाल

जनसमस्या निवारण शिविर में जिला अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे- कलेक्टर

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने कहा कि समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें।उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर शुक्रवार 19 जुलाई को मैनपुरखुर्द में आयोजित किया जायेगा। इससे पूर्व उन क्षेत्रों के ग्रामीणों को जनसमस्या निवारण शिविर की जानकारी से अवगत कराने के लिए मुनादी कराये। ताकि ग्रामीण शिविर में आकर अपनी मांग, समस्या, शिकायत एवं अन्य आवेदन विभागीय अधिकारी को दे सके। उन्होंने कहा कि शिविर में सभी जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से शिविर के दिन उपस्थित रहेंगे।इससे पूर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों को भी शिविर के बारे में जानकारी दे और उन्हें शिविर में आने के लिए आमंत्रित करें। शिविर स्थल पर ग्रामीणों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, विभागीय स्टॉल, पार्किंग, छाया, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी ग्रामीणों को अपने-अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी देने एवं पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभागीय स्टॉल लगाकर शिविर स्थल पर आये ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाई उपलब्ध कराये।

बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जिले में यदि कही बोरवेल खुला है,तो उसे कैपिंग करें,जिससे कि किसी प्रकार की जनहानी न हो। उन्होंने आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों की बैठक बुलाये और उन्हें आश्रम छात्रावास के सही तरीके से संचालन के बारे में जानकारी दे।राजीव युवा मितान क्लब के लिए पंचायतों को दी गई राशि का आडिट का कार्य शीघ्र पूरा कराये। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति एवं छूटे हुए लोगों के लिए गांवों में शिविर लगाकर आवास,आयुष्मान कार्ड,किसान सम्मान निधि, आधार कार्ड,जाति प्रमाण पत्र,केसीसी,प्रधानमंत्री उज्जवला योजना,राशन कार्ड,पीएम विश्वकर्मा,बैंक में खाता खोलना सहित अन्य योजनाओं से उन्हें शत प्रतिशत लाभान्वित करें। इन कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।उन्होंने कृषि विभाग के उप संचालक को रबी सीजन में किसानों को फसल चक्र करते हुए धान के बदले अन्य फसल के पैदावार करने के लिए प्रेरित करने एवं कार्य योजना बनाने को कहा। जिससे कि पानी का खपत कम हो और किसानों को अन्य फसलों से अधिक फायदा मिले। इसके अलावा उन्होंने स्कूलों में पालकों की बैठक, वार्डो का परिसीमन,गौरव गरियाबंद अभियान,नारी शक्ति से जल शक्ति,खाद एवं बीजों के भण्डारण एवं उठाव की जानकारी,अनुकंपा नियुक्ति,आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती, निर्माण कार्यों का थर्ड पार्टी से निरीक्षण,सहित अन्य विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय,संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा,नवीन भगत, सभी एसडीएम,जनपद सीईओ सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया,नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन गत दिवस किया गया, जिसका थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संसद डॉ.रवींद्र नारायण बेहरा उपस्थित रहे।राष्ट्रीय युवा संसद की अध्यक्षता विशांत नायर,जनादेश फाउंडेशन द्वारा की गई,और पैनल स्पीकर में रिटायर्ड लेफ्ट.कर्नल डॉ.रवि मोहन शर्मा और पेड पीरियड लीव की कैंपेन फाउंडर रंजीता प्रियदर्शिनी शामिल थे।राष्ट्रीय युवा संसद में भारत के विभिन्न राज्यों से युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और इस आयोजन को सफल बनाया।जनादेश द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को राजनीति में सक्रिय भागीदारी और संसदीय कार्य को करीब से समझने का अवसर प्रदान करना था।संसद डॉ.रवींद्र नारायण बेहरा ने जनादेश द्वारा आयोजित 卐राष्ट्रीय युवा संसद卐 की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के मंच युवाओं को संसद कार्य को करीब से समझने और बेहतर नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करते हैं।यदि युवाओं की सक्रिय भागीदारी राजनीति में रहती है,तो भारत के विकास में उनका अमूल्य योगदान होगा।इस राष्ट्रीय युवा संसद में अलीगढ़ यूनिवर्सिटी,दिल्ली यूनिवर्सिटी,और जे.एन.यू जैसे शीर्ष संस्थानों के छात्रों ने प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

बाढ़ से सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करे दुरुस्त - कलेक्टर अग्रवाल

चौबीस घंटे सक्रिय बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष शुरू

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बाढ़ आपदा प्रबंधन समिति की बैठक ली। उन्होंने वर्तमान बारिश के मौसम को देखते हुए अत्यधिक जल भराव वाले जगहों का चिन्हांकन कर बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।साथ ही वनांचलों के गांवों में रहने वाले लोगों को बाढ़ से बचाने के अलावा मौसमी बीमारियों से भी बचाव के लिए जागरूक एवं आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के जलप्रपातों,धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम तथा अत्यधिक जलभराव की स्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए किये जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा कर सभी व्यवस्था दुरूस्थ करने के निर्देश दिये।साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश की भी रेडियम पट्टी युक्त सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिये।पर्यटन स्थलों में आवश्यक संख्या में सुरक्षा अधिकारी भी तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों से जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी लेकर ऐसे क्षेत्रों में जागरूकता के लिए सूचना बोर्ड लगाने तथा लोगों को बाढ़ के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिये।साथ ही एसडीएम को अपने-अपने अनुविभागों में भी बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने एवं कक्ष में नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर उन्हें क्रियाशील करने के निर्देश दिये।बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले,अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय,संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा,सभी एसडीएम सहित राजस्व,पुलिस,जिला सेनानी,जल संसाधन,स्वास्थ्य,नगरीय निकाय,वन विभाग एवं पीएचई विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे। अत्यधिक जल भराव एवं बाढ़ की सूचना फोन नम्बर 07706-241288 पर देवें - जिले में बाढ़ आपदा नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है।कन्ट्रोल रूम संयुक्त जिला कार्यालय गरियाबंद के कक्ष क्रमांक 1 में स्थापित है।जिले में कहीं भी अत्यधिक जल भराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित होने पर फोन नम्बर 07706-241288 पर फोन करके सूचना दे सकते हैं।नियंत्रण कक्ष चौबीस घंटे कार्यशील है।इसमें तीन शिफ्टों में तीन-तीन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।नियंत्रण कक्ष में किसी भी प्रकार के आपदा की सूचना प्राप्त होने पर समय रहते राहत की कार्यवाही की जायेगी।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बाढ़ आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में बाढ़ से निपटने सभी जरूरी तैयारियां पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।उन्होंने पूर्व में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां जानमाल की सुरक्षा के लिए अभी से सभी तैयारियां दुरूस्त करने के निर्देश दिये।साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी गांवों में शिविर एवं ठहरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।जिससे आपातकालीन स्थितियों में लोगों का बचाव किया जा सके।साथ ही सभी पंचायतों में आवश्यक मात्रा में खाद्यान्न भण्डारण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रमेश सिंगला पुत्र स्वर्गीय तेज राम निवासी भिलाई जिला-दुर्ग पिन-490020 (छ.ग.) ने अपना पुराना नाम रमेश सिंगला पुत्र स्वर्गीय तेज राम बदल लिया है। इसलिए भविष्य में मुझे सभी सरकारी और अन्य दस्तावेजों में नए नाम रमेश कुमार सिंगला पुत्र स्वर्गीय तेज राम के नाम से पहचाना जाए।

रमेश कुमार सिंगला
भिलाई, जिला - दुर्ग
पिन -490020 (स.ग.)

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क./28/अ-20(1) / वर्ष 2023-24

आवेदिका द्विभाषी वेंकटा प्रभावती पति स्व. डी.वी.रामाराव निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित खसरा नं. 1/2, 2/2 का टु भूखण्ड नं. एम.आई.जी. 1/1035 क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर भूमि आवेदिका के पति डी.व्ही. रामाराव को मिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा आबंटित किया गया है, जिसका नजूल पट्टा जारी हो चुका था लेकिन समय अवधि में पंजीकृत नहीं होने के कारण से निरस्त किया जा चुका है। आबंटिती डी.व्ही. रामाराव की मृत्यु दिनांक 15.11.2012 को हो चुकी है तथा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण आवेदिका के नाम पर किया जा चुका है। आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा निष्पादन करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वत: या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.07.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग

मुहर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/चार/रा.वि./2024/119/87 भिलाई, दिनांक 15.07.2024

-: फ्री - होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना :-

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ-8-5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकायों के स्वयं के आधिपत्य/स्वामित्व के लीज होल्ड पर आबंटित आवासीय/व्यवसायिक (भवनों/फ्लैट्स/भू-खण्डों/परिसर/दुकानों) को संबंधित नगरीय निकायो राजस्व विभाग से विधिवत भू-स्वामित्व प्राप्त होने पर फ्री-होल्ड के रूप में संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में सपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकर की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लाक क. /भूखण्ड क.	आकार
1	श्रीमती मधु ठाकुर पति स्व0 सुनील ठाकुर, पूजा ठाकुर, प्राची ठाकुर आ0 स्व0 सुनील ठाकुर	राधिका नगर आवासीय येाजना	18/03	78.75 व0मी0
2	श्रीमती पूजा सिंह पति मुन्ना कुमार	कृष्णानगर आवासीय योजना	56डी/06	46.80 व0मी0
3	सुशीला वर्मा पति रामाधार वर्मा	प्रियदर्शनीय परिसर पूर्व आवासीय यो0	03/10	240 व0मी0
4	सुरेन्द्र महाजन आ0 नंदलाल महाजन	सर्कुलर मार्केट व्यवसायिक यो0	09/17, 18	240 व0फु0
5	मोहन लाल सिंह आ0 जगपत सिंह, श्रीमती मालती देवी पति मोहन लाल सिंह	इन्द्रप्रस्थ नगर (फौजीनगर) आवासीय योजना	228	864 व0फु0
6	श्रीमती कुन्ती पति श्री प्रेमचन्द	लक्ष्मीनगर सब्जी मण्डी व्यवसायिक	बी11/14	64 व0फु0
7	श्रीमती कुन्ती पति श्री प्रेमचन्द	लक्ष्मीनगर सब्जी मण्डी व्यवसायिक	बी11/15	64 व0फु0
8	जीवराखन पटेल आ0 स्व0 लाभोराम पटेल	मो0ने0न0 पश्चिम आवासीय योजना	08/07	331.5 व0मी0
9	श्रीमती शीला देवी मंगला पति स्व0 वेदप्रकाश मंगला, सुरज बलबीर सिंह आ0 स्व0 वेदप्रकाश मंगला एवं श्रीमती मोनिका मंगला पति सुरज बलबीर सिंह मंगला	प्रियदर्शनीय परिसर पूर्व आवासीय यो0	13/03	330 व0मी0
10	श्रीमती संध्या प्रधान पति दीपक कुमार प्रधान	प्रियदर्शनीय परिसर पश्चिम आवासीय यो0	13/19	240 व0मी0
11	श्रीमती साधना कौशिक पति हृदय राम कौशिक	लक्ष्मीनगर सब्जी मण्डी व्यवसायिक	बी-28/12	64 व0फु0
12	श्रीमती कुन्ती स्वर्णकार पति प्रेमचंद स्वर्णकार	गणेश मार्केट सुपेला	02/20	32 व0मी0
13	बी0पी0 शर्मा आ0 एम0एल0 शर्मा	कोसानगर सुपेला व्यवसायिक	व्यवस्थापन	57.62 व0मी0
14	श्रीमती सीमा शर्मा पति डॉ0 बी0पी0 शर्मा	कोसानगर सुपेला आवासीय	व्यवस्थापन	676 व0फु0
15	श्रीमती दुलारी बाई पति स्व0 रतिराम	राजीव नगर जोन-02 खुर्सीपार आवासीय	व्यवस्थापन	98.90 व0मी0
16	भोजराज सावलानी पिता पोरन्दमल सावलानी, संजीव कुमार सावलानी एवं सुनील सावलानी दोनों के आ0 भोजराज सावलानी	शास्त्री मार्केट नंदनी रोड व्यवसायिक	11	180 व0फु0 एवं 420 व0मी0
17	रमेन्द्र मोहन अग्रवाल पिता ए0एन0 अग्रवाल	कृष्णानगर आवासीय योजना	05/09	60 व0मी0
18	श्रीमती सीमा शर्मा पति डॉ0 बी0पी0 शर्मा	दक्षिण गंगोत्री व्यवसायिक योजना	17/12	60.75 व0मी0
19	श्रीमती सीमा शर्मा पति डॉ0 बी0पी0 शर्मा	दक्षिण गंगोत्री व्यवसायिक योजना	24/01	54 व0मी0
20	श्रीमती सीमा शर्मा पति डॉ0 बी0पी0 शर्मा	दक्षिण गंगोत्री व्यवसायिक योजना	24/18	54 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, भिलाई

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

नया प्रशासनिक कार्यालय, गांधी मैदान, बैरन बाजार, रायपुर (छ.ग.)
फोन.नं. 0771-2535780, 90, फैक्स: 0771-2227395 E-mail: dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक/07/ स्टोर / न.पा.नि./2024 रायपुर, दिनांक 15/7/2024

"द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना"

नगर पालिक निगम, रायपुर के मुख्यालय के विभिन्न विभागों में स्थापित किये गये प्रिंटर तथा फोटोकॉपी मशीन के निम्नानुसार कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	अमानत राशि	समयावधि
1.	PRINTER & PHOTOCOPIER MACHINE. REFLING& PRINTER CARTRIDGE REPAIRING MAINTENANCE FOR ONE YEAR INCLUDING THEIR PARTS)	रू. 4.00 लाख	रू. 12,000.00	1 वर्ष के लिए

इस हेतु इच्छुक फर्म अपना निविदा एक सीलबंद लिफाफे में नगर पालिक निगम रायपुर के स्टोर शाखा विभाग मुख्यालय कक्ष क्रमांक-406 तृतीय तल नया प्रशासनिक कार्यालय गांधी मैदान बैरन बाजार रायपुर (छ.ग.) में दिनांक 30.07.2024 को सायं 4.00 बजे तक स्पीड पोस्ट / रजिस्टर पोस्ट के माध्यम से जमा कर सकते है। प्राप्त निविदा को इसी दिवस 30.07.2024 को सायं 5.00 बजे खोला जावेगा। उक्त कार्य हेतु पृथक से कोई सूचना नही दी जावेगी।

निविदा प्रपत्र नगर पालिक निगम रायपुर के कक्ष क्रमांक-406 स्टोर विभाग से रू. 750/- (सात सौ पचास रूपये) नगद जमा कर कार्यालयीन अवधि में दिनांक 26.07.2024 सायं 5.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

नोट :- निविदा प्रपत्र रायपुर नगर निगम के वेबसाईट nagarnigamraipur.nic.in से भी डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। ऑनलाईन निविदा डाउनलोड किये जाने पर निविदा प्रपत्र के राशि रु. 750.00 का डी.डी. पृथक से निविदा के साथ तकनिकी लिफाफा में जमा किया जाना होगा अन्यथा निविदा अमान्य कर दिया जावेगा।

प्रभारी अधिकारी (स्टोर)
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

प्राथमिक शाला दुरुगपाली में चुनाव प्रक्रिया के तहत बाल केबिनेट का गठन

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला दुरुगपाली में बाल केबिनेट का गठन चुनाव प्रक्रिया से सम्पन्न हुआ ।बच्चे इस प्रक्रिया के द्वारा देश के महत्वपूर्ण चुनाव में होने वाले सभी प्रक्रिया एवम पद की गरिमा को समझे ।

चुनाव पद्धति में सबसे पहले नामांकन ,स्कूटनी चुनाव चिन्ह एवम प्रचार प्रसार फ़िर मतदान एवम परिणाम इन प्रक्रियाओं को बच्चों ने उत्साह पूर्वक करने में रूचि के साथ शत-प्रतिशत हिस्सा लिये। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने पीठासीन अधिकारी अरमान प्रधान 8वी,मतदान अधिकारी क्रमांक 01 लोकेश प्रधान 8वी,मतदान अधिकारी क्रमांक 2 देवाशीष प्रधान 7वी,एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 3 तोषण साहू7वी ने चुनाव को शांतिपूर्ण कराने में अहम

भूमिका निभाई ।

बिल केबिनेट हेतु कुल बालक मतदाता 96 थे। जिसमे से 85 छात्रों ने मतदान मे भाग लिया ।प्रधानमंत्री पद हेतु मानस प्रधान और तेजराज पटेल के मध्य मतदान हुआ जिसमें मानस प्रधान को 58वोट, तेजराज को 24 बोट तथा 3 बोट निरस्त किया गया । इसी तरह मानस प्रधान ने 58 वोट से विजय प्राप्त कर शालेय बाल केबिनेट हेतु प्रधानमंत्री चुने गए द्य उप प्रधानमंत्री लुकिता साहू,शिक्षा मंत्री तेजराज पटेल, कानून एवं सुरक्षा मंत्री डीलेश बरिहा, अनुशासन मंत्री तनीषा प्रधान, वित्त मंत्री कौशल्या साव ,पर्यावरण मंत्री पीयूष साहू ,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री मोहित साव ,खेल मंत्री गजानन यादव कृषि मंत्री अर्जित बारीक चुने गए। सभी पदाधिकारी का शपथ ग्रहण संकुल समन्वयक संतराम बंजारा के द्वारा कराया गया द्य

चुनाव संपन्न कराने में सहायक शिक्षक श्रीमती अरुंधति भोई एवं जौशीक कुमार सामल प्रधानपाठक का सहयोग रहा।

संक्षिप्त-खबर

सँवरा समाज द्वारा सिंघनपुर मे सामुहिक आदर्श विवाह सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत सँवरा समाज केंद्र सिंघनपुर द्वारा सामुहिक आदर्श विवाह सम्पन्न हुआ। सँवरा समाज के संरक्षक एव पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयदेव भोई , प्रदेश अध्यक्ष प्रेमलाल सिदार, उपाध्यक्ष आनंद बिशी , नरेश भोई, पुजारी अलेख भोई , चैतराम भोई के कुशल मार्गदर्शन में सँवरा समाज ने सामूहिक आदर्श विवाह कर समाज मे आदर्श उदारहरण प्रस्तुत किया है। इस दौरान ग्राम कुटेला का वर एवं हरिवंशपुर की वधु एवं रसोड़ा का वर एवं केजुआं की वधु का शबरी मंदिर सिंघनपुर में दोनों जोड़ों का आदर्श विवाह सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर वर एवं वधु पक्ष के रिश्तेदार भी उपस्थित थे एवं वर और वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। इसकी जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी तपन भोई ने दिया।

ताजिया निकले वाले रास्तों को करवाया गया साफ

भिलाई (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई द्वारा मोहर्रम के अवसर पर ताजिया आसानी से निकल सके इसलिए सभी जोन में सड़क पर से अवरुद्ध को साफकिया जा रहा है। जिससे ताजिया निकालने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। ताजिया निकालने के लिए पूर्व से रूट चार्ट निश्चित है। ताजिया उसी अनुसार निकलेगी। आदेशानुसार नगर निगम भिलाई के जोन के राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी, जेपी तिवारी, अनिल मेश्राम, बालकृष्ण नायडू, अपनी टीम के साथ प्रमुख सड़कों का भ्रमण कर रहे थे । जहां पर भी व्यवधान दिखा है उसे साफ किया गया । चालान भी काटा गया। व्यापारियों को सख्त हिदायत है कोई भी दुकान से बाहर बेचने के लिए सामान नहीं निकलेगा । सभी व्यापारी अपना व्यापार अपने निर्धारित दुकान में ही रहकर करें । देखने में आता है कि व्यापारी अपने दुकान से बाहर सामान निकाल देते हैं जिससे सड़के जाम हो जाती है ।वह अपने निर्धारित दायरे में ही व्यापार करें। अपने ग्राहकों से भी गाड़ी सही खड़ा करवाए किसी प्रकार का जाम ना लगे। नगर निगम के तोडू दल के द्वारा भ्रमण के दौरान सामान बाहर निकलता हुआ पाया जाएगा। संबंधित व्यापारी के खिलाफ नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने चेंबर के पदाधिकारी एवं व्यापारियों से सहयोग की अपेक्षा की है।

मझगांव स्कूल में गरीब बच्चों को पेन-कॉपी बांटे गए

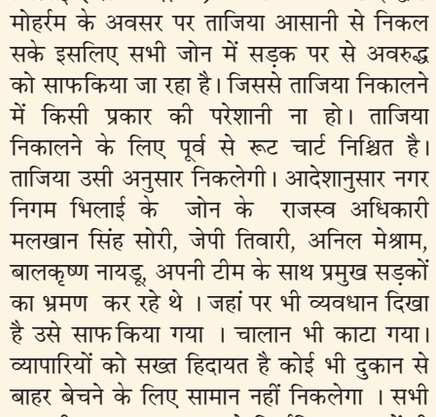

बिलासपुर (समय दर्शन)। कोटा विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगांव में शिक्षकों के द्वारा विद्यालयों में अध्ययन कर रहे जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क पेन एवं कॉपी का वितरण किया गया। लाभान्वित छात्रों में कक्षा नवमीं से इंद्राणी भानु, कीर्ति, निधि खुसरो, करण दास, जीत कुमार, ओम मरकाम, कक्षा दसवी से निशा पात्रे, दुर्गेश यादव, तुषार कुमार, संस्कार पुरैना, कक्षा ग्यारहवीं से पूनम मरावी, नितेश यादव बीना कुमारी, आकांक्षा पात्रे, महिमा, कक्षा बारहवीं से मिलौतिन मरावी, मुस्कान नेताम, रितेश यादव आदि रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शैलेश कुमार पांडेय, तथा शिक्षकों से शोभाराम पालके,लीला राम खूंटे हेमंत अनंत, माधो कौशिक, रंजीत खूंटे, गीता पांडेय, अंजलि दुबे, पूनम सिंह रावत, सुशील ओट्टी उपस्थित थे।

वन महोत्सव सप्ताह अंतर्गत शास.उच्च.माध्य. शाला कुड़ेकेल बसना मे वृक्षारोपण

- प्राचार्य बलदेव मिश्रा के मार्ग दर्शन में एक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधारोपण

बसना (समय दर्शन)। वन महोत्सव सप्ताह अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कुड़ेकेल (बसना) में एक पेड मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण किया गया।

गौरतलब हो कि,स्कूल नर्सरी योजना अंतर्गत डी एफ ओ पंकज राजपुत , सहायक डी एफ ओ अनिल भास्करन के निर्देशन एवं बसना रेंजर सुखराम निराला, सहायक रेंजर नवीन कुमार शर्मा के साथ परिसर प्रभारी जगबाई रत्नाकर द्वारा पिछले एक वर्ष से 1100 विभिन्न प्रजातियों के पौधों को समय - समय पर पहुंचाकर ,उचित देखरेख में सहेजकर बड़ा किया गया है।

जिसे आज इस विद्यालय में छात्रों , स्टाफ , जनप्रतिनिधियों के साथ ग्राम के गणमान्य नागरिकों के हाथों वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। एक पेड़ मां के नाम , अवसर पर ग्राम

पटेलिन श्रीमती बसंता सिदार के हाथों उपस्थित सबों को स्वल्पाहार कराया गया । वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच प्रतिनिधि श्रवण सिदार , पूर्व सरपंच उसतराम पटेल, पंच - नरेन्द्र पटेल , बाबूलाल विश्वकर्मा , करण पटेल , प्रकाश पटेल एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी अतिथियों एवं स्थानीयजनो से प्राचार्य बलदेव मिश्रा ने अपील किया कि, जिस तरह आप अपने संतान की देखभाल करते हैं ठीक उसी तरह पौधे लगाकर उसका देखभाल करें ,तभी हम भविष्य में स्वच्छ जलवायु एवं हवा मे साँस ले पायेंगे।

24 घंटे के अंदर मिली जशपुर अंचल को एंबुलेंस और शव वाहन

- मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल : प्रदेश में तेजी से सुधर रही है स्वास्थ्य सेवाएं

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के घोषणा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जशपुर जिले को दो बड़ी सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय ने सीएम कैंप बगिया में दो एंबुलेंस और एक शव वाहन को हरी झंडी दिखा कर जरूरतमंद मरीजों की सेवा के लिए रवाना किया। एंबुलेंस दुलदुला ब्लॉक के करडेगा और फरसाबहार ब्लाक के कोल्हेनझरिया में सेवा देगी। वहीं मुक्तांजली वाहन दुलदुला में सेवा प्रदान करने के लिए तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही रविवार को दुलदुला में आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की थी। घोषणा के 24 घंटे से भी कम समय में ही जिलेवासियों को एम्बुलेंस और शव वाहन की सुविधा मिली है। यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से दिसंबर 2023 से अब तक जिले को 7 एंबुलेंस और 1 शव वाहन मिल चुके हैं। इससे मरीजों की सेवा में लगे एंबुलेंस की संख्या जिले में बढ़ कर 21 हो चुकी है। इसके साथ ही कुनकुरी में 220 बिस्तर की क्षमता वाली सर्वसुविधा युक्त अस्पताल निर्माण की घोषणा पहले ही हो चुकी है। जिले के 7 उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा देते हुए आवश्यक मानव संसाधन जुटाने के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है।

बुराई कितनी शक्तिशाली हो आखिर में हारता ही है : पुरन शर्मा

- ग्राम छाटा में शिव महापुराण कथा का आंठवा दिन
- बुधवार को होगा कथा का समापन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम छाटा में आयोजित शिव महापुराण कथा के आठवां दिन पंडित पुरन प्रसाद शर्मा अंडी डोंडी लोहारा वाले ने महिषासुर उद्धार तथा श्री कृष्ण शिव मिलन की कथा सुनाई। उन्होंने कहा की बुराई कितनी भी शक्तिशाली हो एक दिन उसे हार का सामना करना ही पड़ता है। आज वर्तमान में लोग छोटी छोटी बात कर अपने आपको बड़ा बताने लगते है। लेकिन जो अच्छे कर्म करते है वो ही सबसे बड़े है। काम ऐसा करो की आपको आपके काम के कारण प्रसिद्धि मिले। उन्होंने कथा सुनाते हुए कहा की महिषासुर उद्धार की कथा सुनाते हुए आचार्य पुरन शर्मा ने देवी भागवत पुराण में कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि रंभ नामक एक असुर था जिसने अग्निदेव की तपस्या से एक पुत्र को प्राप्त किया था जो एक महिषी यानी भैंस से उत्पन्न हुआ था इसलिए वह महिषासुर कहलाया। यह असुर वरदान के कारण जब चाहे मनुष्य और भैंस का रूप ले सकता था। ब्रह्माजी की तपस्या करके इसने वरदान पा लिया था कि कोई स्त्री ही उसका अंत कर सकती है। इसलिए यह देवताओं के लिए अजेय था और शक्ति के मद में आकर इसने देवलोक पर अधिकार कर लिया। उन्होंने बताया की महिषासुर के शासन में देवता और मनुष्य भयभीत रहने लगे। ऐसे में सभी देवी देवताओं ने अपने तेज को मिलाकर एक तेजोमय शक्ति को प्रकट किया जो स्त्री रूप में अवतरित हुई। यही देवी मां दुर्गा कहलायीं। सभी देवी देवताओं ने अपने अस्त्र-शस्त्र से देवी को सुसज्जित किया।

महिषासुर का वध और देवी का वरदान- महिषा सुर का बढ़ की कथा सुनाते हुए कहा की देवी ने महिषासुर को युद्ध के लिए ललकारा। देवी और महिषासुर में 9 दिनों तक महायुद्ध हुआ। महिषासुर को अपने अंत समय में माता दुर्गा की शक्ति का अहसास हो गया और उस असुर ने देवी से प्रार्थना की, हे माता आपके हाथों मेरा वध हो और मुझे मुक्ति मिले। मैं आपकी शरणागत हूं मेरे उद्धार का आप कुछ उपाय कीजिए। इस तरह शरण में आए हुए असुर पर माता ने करुणा दृष्टि दिखाई और वरदान दिया कि मेरे हाथों से मृत्यु को पाकर तुम्हें मेरा सायुज्य प्राप्त हो जाएगा और मेरे साथ तुम्हारी भी पूजा होगी। माता के इसी वरदान के कारण देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि माता के साथ महिषासुर का वध करते हुए माता की मूर्ति बनाकर देवी की नौ दिनों तक पूजा करनी चाहिए इससे भक्तों को भोग और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा का समापन बुधवार को होगा। शिवमहापुराण कथा में आयोजक परायण कर्ता सूरज मिश्रा रायपुर, नोहर यादव, मोंगरा यादव, बलदाऊ यादव, एमिन यादव, बलदाऊ यादव, जामवंतिन यादव, हरी यादव, सावित्री यादव, कविता यादव, किरण यादव, सुमन यादव, रेनू शर्मा, पार्वती यादव, उमा निषाद, भगवती साहू, ओम टंडन, शैल बघेल, सरस्वती साहू, उर्वशी साहू, मेघा वर्मा, संजय वर्मा, जगदीश यादव, भगवती विश्वकर्मा, भूषण वर्मा, मानसी वर्मा, भरत वर्मा, भूषणवर्मा, किशन वर्मा, नारायण चेलक, साहेब दास, बलदाऊ , सरोज सहित अन्य मौजूद रहे।

श्रद्धेय जगदेव राम उरांव के पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हुआ पौध रोपण

रायगढ़ (समय दर्शन)। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम रायगढ़ द्वारा श्रध्येय जगदेव राम जी उरांव जी की तृतीय पुण्यतिथि के निमित्त वृक्षारोपण का कार्यक्रम राजामहल,रायगढ़ में आयोजित किया गया था। जिसमे बनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता महल में एकत्रित हुए और श्रद्धेय जगदेव राम उरांव जी का स्मरण किया गया , जिला महिला प्रमुख ने बताया कि श्री उरांव कैसे वनवासियों के शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति कितना चिंतित रहते थे और पुरे देश भर में घूम घूम कर वनवासी कल्याण आश्रम संगठन को मजबूत किया साथ ही नगर के प्रतिष्ठित कार्यकर्ता श्री प्रांजल तामस्कर ने बताया कि श्रद्धेय जगदेव राम उरांव जी का व्यक्तित्व सदेव नम्र वा सहज रहा जिस समय श्रद्धेय जी अखिल भारतीय अधिकारी थे तब भी श्रद्धेय जी निचले से निचले स्तर के कार्यकर्ता के साथ सीधा संपर्क रहता था और घर के जैसे प्रतीत होता था, कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राजामहल परिसर में फलदार और छायादार वृक्ष लगाये गए। कार्यक्रम में बाबुलाल चंद्रा,प्रांजल तामस्कर,जागेश्वर सिंह,जयमती सिंह,गणेश अग्रवाल,अभिषेक गुप्ता, ओमकार मल्होत्रा,प्रतीक सिंह,राजा राजपूत,सिवान सिंह,अमित राम,आकाश मिश्रा,हंसा सिंह,दिनेश सिंह,रंजना देवकर,अविनाश चौधरी आदि की उपस्थिति रही।

विधायक, महापौर ने लगाए फलदार पौधे

- पंचतत्व में एक जल शामिल है, इसे सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी - विधायक ललित

रिसाली (समय दर्शन)। जल जीवन के लिए आवश्यक है। आज बारिश न होने का मुख्य कारण पर्यावरण का संतुलित नहीं होना है। इसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है। उक्त बातें दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहीं। वे जल संर्वधन और संरक्षण पर तालपुरी बी ब्लाक में आयोजित कार्यशाला 'जल मड़ई' के मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा कि पांच तत्व में जल एक तत्व है। जल जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। जल का दोहन हम सब करते है, किन्तु संरक्षण की बात नहीं हो पाती। यही वजह है कि गाँव से लेकर शहर तक जिला प्रशासन जल मंड़ई का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि जल को सहेजने के लिए आयोजित कार्यशाला महत्वपूर्ण है। हम सब को जल संरक्षण के लिए बताए तरीकों को अपनाना है। संगोष्ठी के बाद दुर्ग ग्रामीण विधायक व महापौर शशि सिन्हा ने रूआबांधा में 6 लाख से

बनने वाले सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर एमआईसी डॉ. सीमा साहू, पार्षद सविता ढवस, टिकम साहू, सारिका साहू, ममता सिन्हा, गजेन्द्री कोठारी, रमा साहू, विधि यादव, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, जिला महामंत्री कंचन सिंह, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेन्डे आदि उपस्थित थे।

वार्ड दो में वृहद पौध रोपण- आयुक्त मोनिका वर्मा के नेतृत्व में नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में पौध रोपण की शुरूआत की गई। 'जल मड़ई' संगोष्ठी के बाद विधायक ललित, महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 2 में पौध रोपण किया। यहां पर 50 से अधिक फलदार और छायादार पौध लगाए गए। इस अवसर पर विधायक ने रोपे गए पौध की जिम्मेदारी से देखभाल करने की बात कही।

बताए सोखपिट बनाना- कार्यशाला के मुख्य वक्ता नीरज वानखेड़े ने बताया कि धरती के भीतर से हम सब पानी ले रहे है, किन्तु हम दे कुछ नहीं रहे है। पानी को बनाया नहीं जा सकता। इसलिए पानी को सहेजना अति आवश्यक है। उन्होंने घर के परिसर में कैसे सोखपिठ बनाए उसे भी बताया। साथ ही जल को सहजने के तरीकों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में हिस्सा लेने वाले महिलाओं और छात्राओं को पुरस्कार भी किया। नीरज वानखेड़े ने पानी और बिना पानी के शहर या गाँव किस तरह नजर आएगा इसका मॉडल प्रदर्शन भी किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.)
पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24